राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026

वर्ष 14,अंक 301, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

27 फरवरी तक चलेगा एमआर टीकाकरण अभियान...03

लाल किला बस स्टैंड पर रेहड़ी पटरी वालों का कब्ज अतिक्रमण दे रहा बडे हादसे का न्योता...04

ट्रांसजेंडर और समलैंगिक जोड़े को Live-in में रहने की इजाजत, इलाहाबाद HC ने परिवार से कहा- इनसे दूर रहो

●मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी बालिग व्यक्ति को अपनी मर्जी से अपना जीवनसाथी चुनने का पूरा अधिकार है और इस मामले में परिवार या समाज कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में ट्रांसजेंडर और एक अन्य व्यक्ति के बीच लिव-इन रिलेशनशिप को संरक्षण प्रदान करते हुए उनके परिजनों या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उनके जीवन में हस्तक्षेप नहीं करने का निर्देश दिया है. साथ ही कोर्ट ने संविधान के तहत जीवन और व्यक्तिगत आजादी के मौलिक अधिकार को सर्वोपरि बताते हुए पुलिस को जरूरत पड़ने पर तत्काल सुरक्षा प्रदान करने का भी आदेश दिया है।

मामला, मुरादाबाद जिले के मझोला थाना क्षेत्र से जुड़ा हुआ है. दोनों याचिकाकर्ता बालिग हैं और उन्होंने अपनी मर्जी से लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का फैसला लिया है. इन याचिकाकर्ताओं का कहना है कि परिवार से ही उनकी जान-माल को खतरा है. स्थानीय पुलिस से सुरक्षा की मांग की गई लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्हें हाईकोर्ट की शरण में आना पड़ा।

'बालिग को मर्जी से जीवनसाथी चुनने का अधिकार'

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी बालिग व्यक्ति को अपनी मर्जी से अपना जीवनसाथी चुनने का पूरा अधिकार है और इस मामले में परिवार या समाज कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता. कोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के नवतेज सिंह जोहर बनाम भारत संघ (2018) मामले का हवाला दिया जिसमें समलैंगिक संबंधों को मान्यता देते हुए इंडियन पैनल कोड (आईपीसी) की धारा 377 को खत्म कर दिया था।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे संबंध संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन नहीं करते. साथ ही अकांक्षा बनाम यूपी राज्य (2025) मामले का जिक्र करते हुए हाईकोर्ट ने पुष्टि की कि शादी न होने या शादी न कर पाने की स्थिति में भी जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार सुरक्षित बने रहते हैं।

'परिवार को जीवन में बाधा डालने का अधिकार नहीं'

कोर्ट ने साफ किया कि एक बार जब कोई बालिग व्यक्ति अपना जीवनसाथी चुन लेता है तो परिवार या किसी अन्य को उनके शांतिपूर्ण जीवन में बाधा डालने का कोई अधिकार नहीं है. राज्य का कर्तव्य है कि वह हर नागरिक के जीवन जीने की आजादी की रक्षा करे. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि अगर याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण जीवन में कोई बाधा आती है तो वे पुलिस कमिश्नर या एसएसपी से संपर्क करें. पुलिस तुरंत सुरक्षा प्रदान करेगी।

अगर दस्तावेजी सबूत न हों तो पुलिस बोन ऑसिफिकेशन टेस्ट (Bone Ossification Test) या अन्य कानूनी प्रक्रिया अपनाकर संबंधित लोगों की उम्र सत्यापित कर सकती है. हालांकि अगर कोई अपराध दर्ज नहीं है तो पुलिस जबरन कोई कार्रवाई नहीं करेगी।

कोर्ट ने कहा 'एक बार जब कोई बालिग व्यक्ति अपना साथी चुन लेता है, तो परिवार या किसी अन्य को उनके शांतिपूर्ण जीवन में बाधा डालने का अधिकार नहीं है. राज्य का कर्तव्य है कि वह हर नागरिक की जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करे.' कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि अगर याचिकाकर्ताओं के शांतिपूर्ण जीवन में कोई बाधा आती है, तो वे पुलिस कमिश्नर या एसएसपी से संपर्क करें. पुलिस उनकी उम्र और सहमति की पुष्टि करने के बाद तुरंत सुरक्षा प्रदान करेगी. अगर दस्तावेजी सबूत न हों, तो पुलिस ऑसिफिकेशन टेस्ट या अन्य कानूनी प्रक्रिया अपनाकर उम्र सत्यापित कर सकती है।

धार्मिक स्थलों को तो छोड़ दो... लिव-इन रिलेशनशिप पर भड़का उत्तराखंड हाई कोर्ट, पुजारी की लगाई क्लास

●हरिद्वार में मां चंडी देवी मंदिर के मुख्य पुजारी को हाई कोर्ट ने फटकार लगाई है. अदालत ने कहा है कि कम से कम मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जैसी जगहों को तो छोड़ ही दो. उन्हें भी नहीं बख्शा जा रहा है, वहां भी अय्याशी और गलत काम चल रहा है

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने हरिद्वार में मां चंडी देवी मंदिर के मुख्य पुजारी के खिलाफ लगे क्रिमिनल चार्ज पर चिंता जताई है. पुजारी पर एक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप और छेड़छाड़ के आरोप हैं. इस मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस राकेश थपलियाल ने कहा कि मंदिर मैनेजमेंट में शामिल लोगों से जुड़े ऐसे क्रिमिनल केस बढ़ रहे हैं और उन्होंने कलेक्टर को मंदिरों और आश्रमों का सरप्राइज इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया.

जज ने कहा, अगर आश्रमों और मंदिरों में ऐसा हो रहा है तो यह एक चिंताजनक स्थिति है. उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी गतिविधियों से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं. जस्टिस थपलियाल ने कहा, अगर ऐसी चीजें किसी मंदिर में हो रही हैं, वहां के मुख्य पुजारी तलाक की कार्रवाई से गुजर रहे हैं, लिव-इन रिलेशनशिप में हैं, उस रिश्ते से उनका एक बच्चा भी है।

धार्मिक स्थलों को तो बख्श दें

उन्होंने आगे कहा कि कम से कम ऐसे धार्मिक स्थलों को ऐसी गतिविधियों से बचाया जाना चाहिए. क्या अब कोई जगह बची है. कम से कम मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे जैसी जगहों को तो छोड़ ही दो. कम से कम उन्हें तो छोड़ दो, लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा जा रहा है, वहां भी अय्याशी और गलत काम चल रहा है।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला मां चंडी देवी मंदिर के महंत रोहित गिरी की पत्नी की शिकायत से जुड़ा है. शिकायत के अनुसार, रोहित गिरी ने 2021 में अपनी पत्नी की बड़ी बहन की परिचित रीना बिष्ट को अपनी पत्नी से मिलवाया था. शिकायतकर्ता को रोहित गिरी की हैंडराइटिंग में एक डायरी मिली, जिसमें रीना बिष्ट के नाम पर 5.5 लाख रुपये का फिक्स्ड डिपॉजिट बताया गया. जब उनसे बात हुई, तो पता चला कि मुख्य पुजारी बिष्ट के साथ फिजिकल रिलेशन में थे और उनसे से एक बेटी भी पैदा हुई थी।

पुजारी को मई 2025 में पंजाब पुलिस ने छेड़छाड़ के एक मामले में गिरफ्तार किया था. पिछले साल कोर्ट ने महंत रोहित गिरी के खिलाफ आरोपों को गंभीरता से लिया और कहा कि मंदिर ट्रस्ट का मैनेजमेंट पूरी तरह से खराब था. कोर्ट ने बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर कमेटी (BKTC) को मौजूदा मंदिर ट्रस्ट के कामकाज की देखरेख करने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त ख़बरें

सिद्धार्थनगर में इंटर की परीक्षा देने पहुंचे छात्र की परीक्षा केंद्र के गेट पर गिरकर मौत

सिद्धार्थनगर, जिले में द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा देने पहुंचे एक छात्र की परीक्षा केंद्र के गेट पर गिरकर मौत हो गई। इस घटना ने स्कूल प्रशासन, पुलिस और शिक्षा विभाग की संवेदनहीनता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना चिल्हिया क्षेत्र के ग्राम बभनी, पोस्ट उदयराज निवासी रवि यादव पुत्र राधेश्याम यादव बुधवार को करौंदा नानकार स्थित गायत्री पब्लिक स्कूल परीक्षा केंद्र पर कक्षा 12 की परीक्षा देने पहुंचा था। वह दूसरे शिफ्ट की परीक्षा के लिए निर्धारित समय पर केंद्र पहुंचा था। रवि जैसे ही के मुख्य गेट पर पहुंचा, उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। यह देखकर वहां मौजूद छात्र और अन्य लोग घबरा गए लोगों और साथियों ने रवि यादव को तत्काल करौंदा नानकार स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन और साथ के लोग उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद रवि यादव को मृत घोषित कर दिया।

डबल मर्डर से थर्राया सीतापुरः घरेलू विवाद में युवक ने चाकूओं से गोदकर सगे भाई-भाभी को उतारा मौत के घाट

सीतापुर। नैमिषारण्य के ठाकुर नगर में घरेलू विवाद में मझले भाई ने बड़े और छोटे भाई पर बुधवार देर रात चाकू से हमला कर दिया। बचाव करने आई बड़े भाई की पत्नी को भी उसने चाकू घोंप दिया। इसमें बड़े भाई व भाभी की मौत हो गई, जबकि एक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। श्यामू का अपने बड़े भाई हरीश और छोटे रमू से विवाद हो रहा था। इसी दौरान श्यामू ने दोनों भाइयों पर चाकू से वार कर दिया। बीच बचाव करने आई हरीश की पत्नी पूनम को भी उसने चाकू घोंप दिया। तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नैमिषारण्य ले जाया गया, जहां पूनम और हरीश को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि रमू को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। आरोपित मौके से भाग गया। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश सिंह ने बताया कि आरोपित की तलाश की जा रही है। **आए दिन होता था विवाद** बताया जाता है कि श्यामू शराब के नशे का आदी है। इसको लेकर घर में आए दिन विवाद होता रहता था। इस बार उसने इतनी बड़ी वारदात कर दी।

तिलक समारोह में विवाद के बाद पड़ोसियों ने की फायरिंग, दूल्हे समेत तीन घायल, गांव में पुलिस बल तैनात

●खैराबाद में तिलक समारोह में पड़ोसियों ने की फायरिंग।

दूल्हा पवन, भतीजा और दोस्त गोली लगने से घायल।

चार नामजद आरोपियों पर हत्या के प्रयास का केस।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, (सीतापुर)। कनायतपुर में बुधवार देर रात तिलक समारोह के दौरान रंजिश को लेकर पड़ोसी से विवाद हो गया। लाठी-डंडा लेकर पांडाल में पड़ोसी घुसे तो आयोजकों ने एतराज जताया। इस पर आरोपितों ने फायरिंग कर दी। इसमें वर समेत तीन घायल हो गए। घायलों का इलाज ट्रामा सेंटर लखनऊ में चल रहा है। चार को नामजद करते हुए हत्या की कुचेष्टा का मुकदमा लिखाया गया है।

शिव कुमार के पुत्र पवन का तिलक था। इसी दौरान पड़ोसी व पट्टीदार सुजीत, जसवंत, शंकर और वीरु लाठी लेकर पांडाल में घुस गए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने फायरिंग कर दी। इसमें पवन, उनका 15 वर्षीय भतीजा और उनके मित्र कौशल घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि चार पर नामजद मुकदमा लिखा गया है। आरोपितों की तलाश की जा रही है।

महिला से हुई झड़प के बाद बढ़ा विवाद

दरअसल, पांडाल आरोपितों के दरवाजे पर लगा था। तिलक में शामिल होने आया युवक आरोपितों के दरवाजे पर खड़ा था। इस पर अरोपित पक्ष की एक महिला की उससे झड़प हो गई। इसके बाद आरोपित लाठी लेकर पांडाल में घुस गए और विवाद करने लगे। फायरिंग होते ही पांडाल खाली हो गया। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक-उत्तरी आलोक सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और स्थितियों को नियंत्रण में लिया।

आपस की थी लड़ाई, गांव वाले भी नहीं बोले

बताया जा रहा है कि जब आरोपित लाठी लेकर पांडाल में घुसे तो वहां उपस्थित गांव के लोगों ने बीच बचाव करने का प्रयास किया। इस पर आरोपित कहने लगे कि यह उनके और पवन के बीच का पारिवारिक मामला है। इसमें कोई कुछ नहीं बोलेगा। ऐसे में ग्रामीण डस्टविन में भोजन की प्लेट छोड़कर चले गए।

गैर इरादतन हत्या में महिला आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

सुलतानपुर। कोतवाली नगर के चुनहा में बीते 23 जनवरी को हैदर अब्बास की हुई गैर इरादतन हत्या के मामले में जेल में निरुद्ध महिला आरोपी बिलकिश बानो

की जमानत अर्जी जिला जज सुनील कुमार ने बुधवार को खारिज कर दी है। अभियोजन पक्ष के वकील शेख नजर अहमद के अनुसार अफरोज बानो ने पड़ोसी खादिम, उसकी मां बिलकिश बानो, तौकीर हुसैन और अन्य पर मुकदमा दर्ज कराया था।

आज लगेगा थारू विकास परियोजना विशुनपुर विश्राम में विशाल मेगा हेल्थ कैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आज रेडक्रास सोसाइटी बलरामपुर के तत्वाधान में विशाल मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर थारू विकास परियोजना, विशुनपुर विश्राम (पचपेड़वा) परिसर में आयोजित हुआ, जहां क्षेत्र के ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। इस मेगा हेल्थ कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सामान्य रोगों की जांच, परामर्श तथा निःशुल्क दवा वितरण की समुचित व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, संचारी रोगों की जांच, टीबी स्क्रीनिंग सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण भी किए जा रहे हैं। शिविर का विशेष उद्देश्य दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके नजदीक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जहां उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और उपचार निःशुल्क प्राप्त होता है तथा समय पर जांच से गंभीर बीमारियों की रोकथाम संभव है। स्वास्थ्य विभाग और रेडक्रास सोसाइटी की इस संयुक्त पहल को जनस्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है। स्थानीय लोगों में शिविर को लेकर उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में लाभार्थी पहुंच रहे हैं।

परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार, एकमुश्त कर योजना लागू

बस्ती। बस्ती जिले के परिवहन आयुक्त के दिशा निर्देश के अनुसार 13 फरवरी से भाड़े या पारिश्रमिक पर संचालित दोपहिया मोटर साइकिल, तिपहिया मोटर कैब एवं मैक्सी कैब, संनिर्माण उपस्कर यान/विशेष प्रयोजन यान, माल वाहन, राज्य परिवहन उपक्रम के स्वामित्वाधीन सार्वजनिक सेवायान आदि के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम,में संशोधन कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुये संभागीय परिवहन अधिकारी फरीदउद्दीन ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार की एकमुश्त कर लागू किया गया है।उन्होने बताया कि यह व्यवस्था तकनीकी रूप में वाहन पोर्टल पर लाइव हो गयी है। इस व्यवस्था का प्रमुख उद्देश्य वाहन स्वामियों को बार-बार भुगतान की जटिल एवं समय-साध्य प्रक्रिया से राहत प्रदान करना, कर प्रशासन को सरल बनाना, अधिकाधिक गैर-परिवहन यानों को परिवहन यानों में परिवर्तित करना तथा राजस्व संग्रह की प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ करना है। परिवहन यानों पर एक बारीय कर(वन टाइम)की दरे निर्धारित की गयी है। संभागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि भाड़े या पारिश्रमिक पर संचालित दो पहिया मोटर साइकिल यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत , तिपहिया मोटर कैब यान के मूल्य का 7 प्रतिशत, 10 लाख तक के मोटर कैब (तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर) और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 10.5 प्रतिशत, 10 लाख से अधिक के मोटर कैब (तिपहिया मोटर कैब को छोड़कर) और मैक्सी कैब यान के मूल्य का 12.5 प्रतिशत, संनिर्माण उपस्कर या विशेष प्रयोजन यान यथा जे0सी0बी0, बुलडोजर्स आदियान के मूल्य का 6 प्रतिशत, माल वाहन 3000 किलोग्राम से अनधिक सकल यान भार के वाहन (पिकप आदि), यान के मूल्य का 3 प्रतिशत, 3000 किलोग्राम से

अधिक किन्तु 7500 किलोग्राम से अनधिक सकल यान भार के वाहन (मिनी ट्रक आदि यान के मूल्य का 6 प्रतिशत, पहले से रजिस्ट्रीकृत वाहनों पर एक बारीय कर की गणना के लिए पूर्व अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए एकबारीय कर की धनराशि में आठ प्रतिशत की छूट देकर गणना की जायेगी, परन्तु यह छूट पचहत्तर प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

सीतापुर में होली पर तीन दिन बिना कट के लगातार मिलेगी बिजली, तैयारियों में जुटा विभाग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। होली पर किसी को कोई दिक्कत न हो इसके लिए बिजली विभाग अब से ही तैयारी में जुट गया है। शासन के निर्देश पर होली पर्व पर दो से चार मार्च को उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली दी जाएगी। फाल्ट की शिकायत मिलते ही तत्काल टीमें पहुंच कर आपूर्ति व्यवस्था बहाल करेंगी। अधीक्षण अभियंता ने विभागीय अधिकारी व कर्मियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए है। इसकी निगरानी वह स्वयं ही कर रहे हैं।

होली के त्योहार को देखते हुए बिजली विभाग पिछले कई दिनों से ट्रांसफार्मर, खंभा सहित अन्य उपकरणों की मरम्मत करा रहा है। पर्व पर निर्बाध देने के लिए जेई और लाइनमैन सहित 156 कर्मचारियों की तैनाती की गई है। लाइनों में होने वाले फाल्ट जल्द ठीक करने के लिए सभी स्टेशनों पर जेई व संविदा कर्मचारियों की तैनाती रहेगी। अगर कहीं ट्रांसफार्मर फुंक जाता है तो तत्काल आपूर्ति के लिए मोबाइल ट्राली ट्रांसफार्मर का भी इंतजाम किया गया है।

औद्योगिक फीडर पर रहेगी विशेष नजर

होली पर औद्योगिक फीडरों पर विभाग की ओर से विशेष नजर रखी जाएगी। इसको लेकर फीडर पर लगे ट्रांसफार्मर में तेल बदलने के साथ बुशिंग कराई जा रही है। पर्व पर इन फीडरों पर लोड पर बढ़ जाता है, जिसको लेकर विभाग निगरानी अधिक कर रहा है।

बिजली गुल होने पर हेल्पलाइन पर करें शिकायत

विभाग की ओर से हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। इसके लिए हेल्पलाइन 1912 के साथ कंट्रोल रूम नंबर 9415901150 भी जारी किए गए हैं। 20 मिनट से अधिक बिजली गुल होने पर 9415901149 और 9415901151 विभागीय नंबर पर शिकायत करें। इससे संज्ञान लेकर आपूर्ति बहाल कराई जाएगी।/Bअवकाश निरस्त के साथ करेंगे /B/Bनिरीक्षण/Bः अधीक्षण अभियंता ललित कृष्ण ने बताया कि पर्व को देखते हुए जिले के सभी विभागीय अधिकारी व कर्मियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। सीयूजी नंबर आन रखने के साथ उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान कराएंगे।

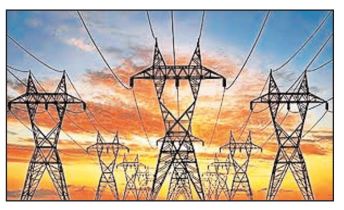

होली पर जिले में तीन दिनों कोई कटौती नहीं की जाएगी। अनुरक्षण कार्य के तहत सभी कमियों को दूर किया जा रहा है। विभागीय अधिकारी व कर्मियों के अवकाश भी निरस्त करने के साथ हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। -ललित कृष्ण, अधीक्षण अभियंता-बिजली

6,30,000 जिले में उपभोक्ता
21: ट्राली ट्रांसफार्मर
156: कर्मियों की लगी फीडरवार ड्यूटी
9415901150 कंट्रोल रूम नंबर

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा , वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com www.epaper.swatantraprabhat.com

शिवाजी महाराज- एक अजेय योद्धा और आदर्श सुशासन के प्रणेता

भारतीय इतिहास के फ्लक पर छत्रपति शिवाजी महाराज एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र हैंए जिनकी चमक सदियों बाद भी धुंधली नहीं हुई है। उनका जीवन केवल एक राजा की विजय गाथा नहींए बल्कि एक दबे.कुचले समाज के आत्मसम्मान की वापसी का महाकाव्य है। 17वीं शताब्दी का वह कालखंड जब संपूर्ण भारत विदेशी आक्रांताओं के पैरों तले रौंदा जा रहा थाए उत्तर में मुगलों का कट्टर शासन था और दक्षिण में बीजापुर व गोलकुंडा की सल्तनतें अपनी जड़ें जमाए हुए थींए उस अंधकारमय समय में शिवाजी ने श्स्वराज्यश् की मशाल जलाई। 19 फ्रवरी 1630 को शिवनेरी दुर्ग में जन्में इस बालक के भाग्य में केवल जागीरदारी भोगना नहींए बल्कि एक नए राष्ट्र का निर्माण करना लिखा था। उनकी माता जीजाबाई ने उनके बाल मन में रामायण और महाभारत के पात्रों के माध्यम से जो संस्कार बोएए उन्होंने शिवाजी को केवल एक योद्धा नहीं बल्कि एक धर्मनिष्ठ और नीतिवान शासक बनाया। पिता शाहजी भोंसले की सैन्य प्रतिभा और माता के आध्यात्मिक मार्गदर्शन ने उन्हें वह दृष्टि दी जिससे उन्होंने समझ लिया था कि गुलामी की बेड़ियाँ केवल तलवार से नहींए बल्कि संगठित शक्ति और स्वाभिमान से टूटती हैं। शिवाजी का बचपन पुणे के मावल क्षेत्र की पहाड़ियों में बीताए जहाँ उन्होंने प्रकृति के साथ.साथ वहां के सीधे.सादे मावलों के हृदय को भी जीता। इन्हीं मावलों को उन्होंने अपनी सेना की रीढ़ बनाया और उन्हें सिखाया कि स्वराज्य के लिए मरना नहींए बल्कि लड़कर जीतना ही एकमात्र विकल्प है। शिवाजी महाराज की सैन्य प्रतिभा का पहला परिचय तब मिला जब मात्र 16 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने तोरण दुर्ग पर अधिकार कर लिया। यह उस समय की महान शक्तियों को एक स्पष्ट चुनौती थी। उन्होंने धीरे.धीरे चाकनए कोंडाणा और पुरंदर जैसे किलों को अपने अधिकार में लेकर अपनी शक्ति का विस्तार करना शुरू किया। उनकी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था श्गनिमी कावाश् यानी छापामार युद्ध पद्धति। वे जानते थे कि मुगलों और आदिलशाही की विशाल सेनाओं का सामना खुले मैदान में करना आत्मघाती होगाए इसलिए उन्होंने सह्याद्रि की दुर्गम पहाड़ियों को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उनकी सेना छोटी थी लेकिन अत्यंत तीव्रगामी और अनुशासित थी। शिवाजी ने किलों के महत्व को बखूबी समझा थाए उनका मानना था कि जिसके पास दुर्ग हैए उसी के पास भूमि है। इसीलिए उन्होंने न केवल पुराने किलों की मरम्मत करवाई बल्कि रायगढ़ और सिंधुदुर्ग जैसे अजेय किलों का निर्माण भी कराया। बीजापुर के सेनापति अफ्जल खान के साथ उनका मुकाबला इतिहास का एक ऐसा अध्याय है जो उनकी वीरता और बुद्धिमत्ता दोनों को दर्शाता है। जब अफ्जल खान ने छल से उन्हें मारने का प्रयास कियाए तो शिवाजी ने अपने बाघनख से उसका अंत कर दिया। इस घटना ने पूरे दक्षिण भारत में यह संदेश फैला दिया कि अब विदेशी आक्रांताओं का काल आ चुका है। शिवाजी महाराज केवल एक विजेता नहीं थेए वे एक महान द्रष्टा थे। उन्होंने भांप लिया था कि भारत की लंबी समुद्री सीमा की रक्षा किए बिना स्वराज्य कभी सुरक्षित नहीं रह सकता। उस समय सिद्दीए पुर्तगाली और अंग्रेज समुद्र के रास्ते भारत में घुसपैठ कर रहे थे। शिवाजी ने एक शक्तिशाली नौसेना का गठन कियाए जिसके कारण उन्हें श्भारतीय नौसेना का जनकश् कहा जाता है। उन्होंने समुद्र के बीचों.बीच किलों का निर्माण करवाया ताकि समुद्री लुटेरों और विदेशी व्यापारियों की मनमानी पर अंकुश लगाया जा सके। उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण यह भी था कि उन्होंने कभी भी युद्ध को धर्म युद्ध का नाम देकर निरपराधों पर अत्याचार नहीं किया। उनके शासन में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि था। कल्याण के सूबेदार की बहू का उदाहरण विश्वविख्यात हैए जिसे बंदी बनाकर लाए जाने पर शिवाजी ने उसे सम्मान सहित वापस भेजा और कहा कि काश मेरी माता भी आपकी तरह सुंदर होतीं तो मैं भी सुंदर होता। यह उनके चरित्र की पराकाष्ठा थी जिसने उन्हें श्जानता राजाश् यानी प्रजा के सुख.दुख को समझने वाला राजा बनाया। औरंगजेब जैसे शक्तिशाली मुगल सम्राट के साथ शिवाजी का संघर्ष भारतीय इतिहास का सबसे रोमांचक हिस्सा है। आगरा के किले में शिवाजी को नजरबंद करना औरंगजेब की बड़ी भूल साबित हुई। जिस तरह से शिवाजी मिठाई के टोकरे में छिपकर अपने पुत्र संभाजी के साथ वहां से सुरक्षित निकलेए उसने मुगलों के अहंकार को मिट्टी में मिला दिया। महाराष्ट्र लौटकर उन्होंने अपनी शक्ति को पुनः संगठित किया और एक.एक करके अपने खोए हुए किलों को वापस जीता। 6 जून 1674 को रायगढ़ के दुर्ग में उनका राज्याभिषेक हुआ। यह केवल एक व्यक्ति का राज्याभिषेक नहीं थाए बल्कि हिंदवी स्वराज्य की विधिवत स्थापना थी। उन्होंने श्छत्रपतिश् की उपाधि धारण की और सिद्ध किया कि भारत की संतानें अपना भाग्य स्वयं लिखने में सक्षम हैं। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना कीए जो आधुनिक समय के मंत्रिमंडल जैसा ही था। इसमें प्रशासन के विभिन्न विभागों के लिए विशेषज्ञ मंत्री नियुक्त किए गए थे। उन्होंने भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त नियम बनाए और यह सुनिश्चित किया कि किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिले। शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था में जाति और पंथ के आधार पर कोई भेदभाव नहीं था। उनकी सेना में मुसलमान भी उच्च पदों पर आसीन थे और उनके तोपखाने का प्रमुख इब्राहिम खान था। उन्होंने हमेशा योग्यता को प्राथमिकता दी। उन्होंने स्वराज्य की राजभाषा के रूप में मराठी और संस्कृत को बढ़ावा दिया और श्राज्य व्यवहार कोषश् तैयार करवाया ताकि प्रशासनिक शब्दावली से विदेशी शब्दों का प्रभाव कम किया जा सके। उनकी न्याय व्यवस्था त्वरित और निष्पक्ष थी। वे अपने सैनिकों को लूट पर निर्भर रहने के बजाय सरकारी खजाने से नकद वेतन देते थेए जो उस समय एक क्रांतिकारी कदम था। पर्यावरण के प्रति भी उनकी संवेदनशीलता अनुकरणीय थीय उन्होंने स्पष्ट आदेश दिए थे कि किलों या जहाजों के निर्माण के लिए फ्लदार वृक्षों को न काटा जाए और वनों का संरक्षण किया जाए।

शिवाजी महाराज का जीवन चुनौतियों से भरा रहाए लेकिन उन्होंने कभी धैर्य नहीं खोया। उनके लिए स्वराज्य का अर्थ केवल भौगोलिक सीमाएं जीतना नहीं थाए बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्राप्त करना था। समर्थ रामदास और संत तुकाराम जैसे संतों का उन पर गहरा प्रभाव थाए जिन्होंने उनके भीतर राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ किया। 3 अप्रैल 1680 को मात्र 50 वर्ष की आयु में उनका देहावसान हो गयाए लेकिन उनके द्वारा बोया गया स्वराज्य का बीज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका था। उनकी मृत्यु के बाद भी मराठों ने औरंगजेब के खिलाफ 27 वर्षों तक स्वतंत्रता का युद्ध लड़ा और अंततः मुगलों की कमर तोड़ दी। शिवाजी का व्यक्तित्व एक ऐसे आदर्श शासक का है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। वे एक व्यक्ति नहींए बल्कि एक विचार हैंकृअन्याय के विरुद्ध खड़े होने का विचारए आत्मसम्मान के साथ जीने का विचार और राष्ट्र की सेवा में सर्वस्व अर्पण करने का विचार। आज भी जब हम उनके जीवन का अध्ययन करते हैंए तो पाते हैं कि उनकी नीतियांए चाहे वह जल प्रबंधन होए सैन्य रणनीति हो या सुशासनए आज के आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम भारतीय इतिहास के पन्नों पर ही नहींए बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैए जो हमें सदैव यह याद दिलाता रहेगा कि संकल्प यदि दृढ़ हो और उद्देश्य पवित्रए तो कोई भी बाधा हमें हमारे लक्ष्य तक पहुँचने से नहीं रोक सकती।

शिवाजी महाराज की विरासत को किसी एक क्षेत्र या भाषा तक सीमित नहीं किया जा सकता। वे पूरे भारत के गौरव हैं। उनके द्वारा स्थापित परंपराओं ने ही आगे चलकर बाजीराव पेशवा और अन्य महान सेना नायकों को जन्म दिया जिन्होंने अटक से कटक तक भगवा ध्वज फ्हराया। आधुनिक भारत में भी जब हम अपनी नौसेना के ध्वज को देखते हैंए तो उसमें शिवाजी महाराज की शाही मुहर का प्रभाव दिखाई देता है। वे एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने गुलाम मानसिकता को उखाड़ फेंका और भारत को उसकी खोई हुई पहचान वापस दिलाई। उनका जीवन हमें सिखाता है कि शक्ति और भक्ति का संगम ही राष्ट्र को परम वैभव तक ले जा सकता है।

महेन्द्र तिवारी

आरएसएस और मुस्लिमों में बनते सेतु

आरएसएस और मुस्लिम मिलन एक जटिल और बहुआयामी विषय है। इसमें ऐतिहासिक अविश्वास भी है और संवाद की संभावनाएं भी, जैसा कि आजकल हो रहा है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में स्थायी समाधान का मार्ग संवाद, संवैधानिक मूल्यों और आपसी सम्मान से ही निकल सकता है। 2002 में आरएसएस से प्रेरित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की स्थापना संघ नेता के सुदर्शन, मौलाना जमील अहमद इलयासी और उनके पुत्र उमैर इलियासी व अन्य मुस्लिम नेताओं के सौजन्य से हुई, जिसका उद्देश्य राष्ट्रवाद और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर मुस्लिम समाज से संवाद बढ़ाना है। कई अवसरों पर आरएसएस प्रमुखों ने मुस्लिम बुद्धिजीवियों और उलेमा से भेंट की है। मोहन भागवत ने विभिन्न मंचों पर यह कहा कि भारत में रहने वाले सभी लोग सांस्कृतिक रूप से एक ही राष्ट्र का हिस्सा हैं। वे मदरसे भी गए और मुसलमानों के विरुद्ध एक भी ग़लत शब्द नहीं बोला। बावजूद इसके कि अधिकतर मुस्लिम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मुस्लिम विरोधी और साम्प्रदायिक समझते चले आ रहे हैं, संघ ने जिस प्रकार से मुस्लिम वर्ग के हित में जो कार्य किए हैं उससे सभी को अचंभा भी हुआ है और खुशी भी,विशेष रूप से मुस्लिमों को! मुसलमानों में आजादी के बाद कुछ राजनीतिक वर्गों द्वार यह दुर्भावना, भ्रांति और बदगुमानी फैलाई गई कि हिंदू महासभा, संघ, जनसंघ, आरएसएस और इनसे जुड़े सभी संगठन, मुसलमानों के दुश्मन हैं और इनको समाप्त करना चाहते हैं, जो कि बिल्कुल ग़लत धारणा थी, मगर मुस्लिमों के कुछ स्वयंभू नेताओं ने अपनी दुकानों को चमकाने हेतु क़ौम को इस प्रकार भड़काया और भटकाया कि उसके और मुस्लिमों के मध्य एक खाई पैदा हो गई। 2014 के चुनाव से पूर्व इस बात का प्रचार किया गया कि नरेंद्र मोदी मुसलमानों के विरुद्ध ऐसे ही दंगे भड़का देंगे, जैसे गुजरात में! आरएसएस और मुस्लिम मिलन का विषय भारत की सामाजिक-राजनीतिक चर्चा में लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है।

यह संबंध टकराव, संवाद, पहल और आपसी अविश्वास इन सभी चरणों से गुज़रा है, मगर फिर भी मुस्लिमों की एक छोटी संख्या ने न केवल भाजपा को वोट दिया बल्कि सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के इस कथन को भी सराहा कि भारत मुस्लिमों के सहयोग के बिना जगत गुरु नहीं बन सकता। एक बार उन्होंने यह भी कहा कि हम मुसलमानों के बिना भारत की कल्पना भी नहीं कर सकते। संघ के सौजन्य से दो ऐसी पुस्तकें प्रकाशित हुई कि कोई विश्वास नहीं कर सकता कि संघ ऐसा करेगा।

इस सरकार के दौर में सबको चकित करने वाली पहली ऐसी पुस्तक थी, 'वैचारिक पहलः एक व्यावहारिक समन्वय ', जिसके लेखक ख्वाजा इफ्तेखार अहमद हैं और जिसका विमोचन स्वयं सरसंघ चालक ने यह कह कर किया था कि अपने जीवन में मुस्लिम-संघ के बीच सेतु बनाने वाली किसी मुस्लिम द्वारा यह पहली ऐसी पुस्तक है। पुस्तक के प्रकाशित होते ही हिंदुओं और मुस्लिमों में न केवल पुल बने, बल्कि मुसलमानों के एक बड़े तबके में संघ और उनके के बीच ग़लत फ़हमियां दूर होने लगी हैं और मुस्लिम संघ से जुड़ कर राष्ट्र निर्माण के कार्य में धूम से लगे हुए हैं। इसी संदर्भ में संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता, याजवेंद्र यादव ने भी एक बड़े मारके की पुस्तक लिखी है, 'भारतीय मुस्लिमों की गौरव गाथाएं' यह एक महत्वपूर्ण कृति है जिसमें भारत के मुस्लिम समाज के उन महान व्यक्तित्वों और योगदानों को रेखांकित किया गया है जिन्होंने राष्ट्र निर्माण, स्वतंत्रता संग्राम, शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, सेना और सामाजिक सुधार में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इसमें राष्ट्र रक्षा को समर्पित वीर सैनिकों, कला-साहित्य और खेल जगत की विभूतियों के साथ-साथ सामाजिक सुधारकों को भी स्थान दिया गया है, जिन्होंने समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास किया। राम मंदिर, अयोध्या के संदर्भ में भी पुस्तक उन आवाज़ों को सामने लाती है जो शांतिपूर्ण समाधान और आपसी सद्भाव की पक्षधर थे।

पुस्तक में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज़ादी तक मुस्लिम क्रांतिकारियों और नेताओं की भूमिका का उल्लेख है, जैसे, बहादुर शाह ज़फ़र, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, हकीम अजमल खान, सर मुहम्मद इक़बाल, अशफाक उल्ला खां, सर सैयद अहमद खां, अशफाकुल्लाह खान, मौलाना हसरत मोहानी। मुस्लिम समाज के मुख्य चेहरे, जैसे, मिर्जा ग़ालिब, एपीजे अब्दुल कलाम, मुहम्मद अजहरुद्दीन आदि, जिसका विमोचन संघ के वरिष्ठ नेता, इंद्रेश कुमार ने किया था।

इन पुस्तकों के द्वारा ही नहीं, बल्कि अपने ट्रैक रिकॉर्ड द्वारा भी संघ ने ख़ास तौर से प्रमाणित किया है कि किस प्रकार से उसकी कार्य प्रणाली में मुस्लिम वर्ग को शामिल किया जा रहा है। संवाद का सिलसिला लगातार चल रहा है और उसके खुशगवार नतीजे सामने आ रहे हैं।

भारत फ्रांस संबंधों की नई ऊंचाई, विश्वास रणनीति और वैश्विक साझेदारी का स्वर्णिम अध्याय

भारत और फ्रांस के संबंध लंबे समय से आपसी विश्वास, सम्मान और रणनीतिक समझ पर आधारित रहे हैं। हाल ही में मुंबई में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुलाकात ने इस ऐतिहासिक मित्रता को एक नई दिशा और नई ऊंचाई प्रदान की है। दोनों नेताओं के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता केवल औपचारिक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि यह दो लोकतांत्रिक और वैश्विक दृष्टि रखने वाले देशों के बीच गहरे भरोसे और साझी सोच का प्रतिबिंब थी। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस भावपूर्ण अंदाज़ में कहा कि भारत और फ्रांस के बीच कोई बाउंड्री नहीं है और हमारे रिश्ते समंदर से गहरे तथा पहाड़ से ऊंचे हैं, वह इस संबंध की आत्मीयता और मजबूती को स्पष्ट करता है। भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी वर्ष 1998 में औपचारिक रूप से शुरू हुई थी, और तब से यह निरंतर सुदृढ़ होती गई है। आज दोनों देशों ने इसे 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत करने का निर्णय लिया है। यह स्तर केवल व्यापारिक या रक्षा सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सुरक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष, समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, नवाचार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्र शामिल हैं। इस साझेदारी का अर्थ है कि दोनों देश वैश्विक मंचों पर भी एक-दूसरे के साथ समन्वय बनाकर चलेंगे और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान देंगे। रक्षा क्षेत्र में भारत और फ्रांस का सहयोग विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और साफरान के बीच संयुक्त उपक्रम के माध्यम से आधुनिक रक्षा तकनीकों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। युद्ध के हालात में दुश्मन के बंकर और भूमिगत ठिकानों को ध्वस्त करने में सक्षम है। हैमर मिसाइलों के निर्माण मे भारत ने निर्णय लिया है।यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही रफाल लड़ाकू विमानों और पनडुब्बियों के सौदों में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर जोर देना इस बात का संकेत है कि फ्रांस भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखता है।

'मेक इन इंडिया' अभियान के अंतर्गत फ्रांस का सहयोग भारत के रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र को नई गति प्रदान कर रहा है। मुंबई में आयोजित इंडिया फ्रांस इनोवेशन फोरम के दौरान यह घोषणा कि भारत में ऐसे हेलिकॉप्टर बनाए जाएंगे जो माउंट एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयों तक उड़ान भर सकें, तकनीकी क्षमता और साझा नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम है। कर्नाटक के वेगावल में निजी क्षेत्र की हेलिकॉप्टर असेंबली लाइन की शुरुआत इस सहयोग को जमीनी स्तर पर साकार करती है। यह पहल केवल रक्षा उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि कौशल विकास, रोजगार सृजन और उन्नत तकनीक के हस्तांतरण का मार्ग भी प्रशस्त करती है। आर्थिक क्षेत्र में भी दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हैं। दोहरे कराधान से बचाव संबंधी समझौता निवेश और व्यापार को सरल और आकर्षक बनाएगा। इससे दोनों देशों की कंपनियों और पेशेवरों को लाभ मिलेगा तथा आर्थिक गतिविधियों में पारदर्शिता और स्थिरता आएगी। भारत और यूरोप के संबंधों में वर्ष 2026 को टर्निंग पॉइंट बताना इस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसमें भारत यूरोपीय संघ और विशेष रूप से फ्रांस के साथ मुक्त व्यापार और निवेश सहयोग को नई गति देना चाहता है।

सिर्फ रक्षा और व्यापार ही नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और विज्ञान के क्षेत्र में भी भारत और फ्रांस की साझेदारी मजबूत हो रही है। दिल्ली एम्स में इंडो फ्रेंच सेंटर फॉर एआई इन हेल्थ की स्थापना, डिजिटल साइंस और टेक्नोलॉजी केंद्र तथा एयरोनॉटिक्स में स्किलिंग के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र जैसी पहलें इस बात का प्रमाण हैं कि दोनों देश भविष्य की चुनौतियों के लिए संयुक्त तैयारी कर रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन और मेटाबोलिक स्वास्थ्य जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग आने वाले समय में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में सहायक होगा। सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सहयोग भी इस संबंध की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। फ्रांस में स्वामी विवेकानंद संस्कृति केंद्र की स्थापना भारतीय संस्कृति के वैश्विक प्रसार का माध्यम बनेगी। लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर और भारत म्यूजियम में फ्रांस का सहयोग यह दर्शाता है कि दोनों देश अपनी ऐतिहासिक विरासत और समुद्री परंपराओं को भी साझा महत्व देते हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता से जनता के संबंधों को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। राष्ट्रपति मैक्रों का मुंबई में मरीन ड्राइव पर जॉगिंग करना और 26/11 के आतंकी हमलों में मृतकों को श्रद्धांजलि देना मानवीय संवेदना और एकजुटता का प्रतीक था। यह संदेश स्पष्ट था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों देश साथ खड़े हैं। भारत और फ्रांस दोनों ही वैश्विक आतंकवाद, समुद्री सुरक्षा और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता के मुद्दों पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग और संयुक्त अभ्यास इस रणनीतिक तालमेल को और गहरा करते हैं। आज जब वैश्विक राजनीति अनिश्चितताओं से घिरी हुई है, तब भारत और फ्रांस जैसे देशों के बीच मजबूत और भरोसेमंद साझेदारी विश्व व्यवस्था में संतुलन और स्थिरता ला सकती है। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, बहुपक्षवाद और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के समर्थक हैं। जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास के मुद्दों पर भी उनका सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण है।

भारत और फ्रांस के संबंध केवल सरकारों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह दो समाजों, दो संस्कृतियों और दो दूरदर्शी नेतृत्वों के बीच गहरे विश्वास की कहानी है। विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का यह नया अध्याय आने वाले दशकों में दोनों देशों को तकनीक, रक्षा, नवाचार और सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में अग्रणी बना सकता है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की गर्मजोशी भरी मुलाकात ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संबंध किसी औपचारिक समझौते का परिणाम मात्र नहीं, बल्कि साझा दृष्टि और परस्पर सम्मान की मजबूत नींव पर खड़ा है।

इस प्रकार भारत और फ्रांस की मित्रता सचमुच सीमाओं से परे है। यह संबंध गहरे महासागरों जितना व्यापक और ऊंचे पहाड़ों जितना दृढ़ है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में यह साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए स्थिरता, प्रगति और सहयोग का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभर रही है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

वेस्टयूपी में हाईकोर्ट बेंच की मांग को धार देते आंदोलनकारी

पश्चिमी उत्तर प्रदेश (वेस्ट यूपी) में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक बेंच स्थापित करने की मांग एक बहुत पुराना और लगातार जारी रहने वाला आंदोलन है। लगभग 70 साल पुरानी यह मांग केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय न्याय, सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की एक गहरी पुकार है। इस आंदोलन के कामयाब न होने की खास बात यह रही कि आंदोलनरत वकील आदोलन से जनता को नही जोड़ सके। अब पश्चिम उत्तर प्रदेश के वकीलों अपनी गलती समझ गए। उन्होंने रणनीति में बदलाव किया है। वह इससे पश्चिम उतर प्रदेश की जनता को जोड़ने में लग गए हैं। जनता को बैंच बनने के फायदें बता रहे हैं। अन्य जनप्रतिनिधियों का समर्थन ले रहे हैं। केंद्र सरकार और विधि मंत्रालय को उनसे समर्थन पत्र लिखवा रहे हैं। 1948 में, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ स्थापित की गई थी, लेकिन पश्चिमी यूपी को इससे कोई राहत नहीं मिली, क्योंकि लखनऊ भी इस क्षेत्र से काफी दूर था। वैसे 1955 की विधि आयोग की सिफारिशों ने इस आंदोलन को एक नई दिशा दी। आयोग ने सिफारिश की थी कि उच्च न्यायालय की बेंच उन क्षेत्रों में स्थापित की जानी चाहिए, जहाँ से दूरी अधिक है। साल 1955 में तत्कालीन मुख्यमंत्री संपूर्णानंद ने मेरठ में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने की सिफारिश की । वर्ष 1976 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी की सरकार ने केंद्र को खंडपीठ स्थापित किए जाने का प्रस्ताव भेजा । जनता पार्टी के शासन में राम नरेश यादव की सरकार ने भी इस मांग पर मुहर लगाई और पश्च?मी यूपी में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने के प्रस्ताव को कर उसे केंद्र सरकार को भेजा। बनारसीदास सरकार एवं बाद में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यकाल में भी एक प्रस्ताव पारित कर हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को संस्तुति प्रदान की गई । प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया।

1970 और 1980 के दशक में, यह आंदोलन और भी जोर पकड़ने लगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के वकीलों ने हड़तालों और विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। किसान नेता चौधरी चरणसिंह, मुलायम सिंह यादव और अजित सिंह जैसे नेताओं ने भी इस मांग को अपना समर्थन दिया। इससे यह मांग राजनीतिक मुद्दा बन जरूर बन गई किंतु नेताओं की इच्छा शक्ति के अभाव में और इलाहाबाद के वकीलों के दबाव में कभी पूरी नही हुई। आज भी, पश्चिमी यूपी के कई संगठन और बार एसोसिएशन इस मुद्दे पर नियमित रूप से आंदोलन करते रहते हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों जैसे मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और मथुरा से इलाहाबाद की दूरी 500 से 700 किलोमीटर है। इस लंबी दूरी के कारण मुवक्किलों और वकीलों को अत्यधिक समय, धन और ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। गरीबी और संसाधनों की कमी वाले लोगों के लिए यह एक बड़ा बोझ बन जाता है। इलाहाबाद में एक मुकदमे के लिए जाने का मतलब है, न केवल यात्रा का खर्च, बल्कि वहाँ रहने और खाने का भी खर्च। इसके अलावा, वकीलों की फीस भी अधिक होती है। यह सब मिलकर गरीब और मध्यम वर्ग के लिए न्याय को बहुत महंगा बना देता है। एक बात और इलाहाबाद की जगह यदि पश्चिम उत्तर प्रदेश को लखनऊ खंडपीठ से संबद्ध कर दिया जाता, तब भी दूरी दौ सौ किलोमीटर के आसपास कम हो जाती। लखनऊ पश्चिम उत्तर प्रदेश के नजदीक पड़ता है किंतु ऐसा भी नही किया गया। आंदोलनकारियों का कहना है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पहले से ही मुकदमों का भारी बोझ है। पश्चिमी यूपी से आने वाले मामलों की बड़ी संख्या के कारण, न्याय में और अधिक देरी होती है। एक बेंच की स्थापना से मामलों का तेजी से निपटारा हो सकेगा। इससे न्यायपालिका पर दबाव कम होगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसे अक्सर 'भारत का चीनी का कटोरा' कहा जाता एक हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से इस क्षेत्र की न्यायिक और राजनीतिक पहचान मजबूत होगी, और यह एक आत्मनिर्भर केंद्र बन सकेगा।

वर्तमान में भी यह आंदोलन जारी है, हालाँकि इसने कई बार धीमी गति पकड़ी है। 1981 से वकीलों के संगठन नियमित रूप से प्रत्येक शनिवार को हड़ताल करते हैं, वे धरने देते रहतें हैं, और ज्ञापन सौंपते हैं। हालांकि, इस आंदोलन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस आंदोलन के सामने सबसे बडी चुनौती है कि किसी भी राजनीतिक दल ने इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से नहीं लिया है। केंद्र और राज्य सरकारें इस मांग को टालती रही हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वकील इस मांग का विरोध करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि एक बेंच की स्थापना से उनका काम और आय प्रभावित होगी। सरकार का तर्क है कि एक बेंच की स्थापना से प्रशासनिक जटिलताएँ बढ़ेंगी और यह एक आर्थिक बोझ होगा। इसके अलावा, सरकार अक्सर इस मुद्दे को भविष्य के लिए टाल देती है। एक मजबूत और एकीकृत नेतृत्व की कमी ने इस आंदोलन को कमजोर किया है। अलग-अलग संगठन अपने-अपने तरीके से आंदोलन चला रहे हैं, जिससे एकता नहीं बन पाती। हाल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की बेंच स्थापना के लिए सांसद अरुण गोविल मुखर हो गए हैं। सांसद ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की लगभग छह करोड़ आबादी को सस्ता, सुलभ और त्वरित न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उच्च न्यायालय की चार बेंच हैं। मध्य प्रदेश में दो बेंच हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश इतना बड़े होने के बाद भी यहां उच्च न्यायालय की एक पीठ है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए न्याय प्राप्त करना मुश्किल है। सांसद ने कहा कि यहां बेंच मिलने से कम समय में न्याय मिलेगा और धन की भी बचत होगी।एक हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से न केवल पश्चिमी यूपी के लोगों को न्याय तक पहुँचने में आसानी होगी, बल्कि यह पूरे राज्य की न्याय प्रणाली को मजबूत करेगा। यह आवश्यक है कि सरकार, न्यायपालिका और सभी हितधारक मिलकर इस मुद्दे का समाधान निकालें।

पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में बॉम्बे हाईकोर्ट की एक नई पीठ ओर राज्य में चौथी हाईकोर्ट बेंच के गठन की अधिसूचना एक अगस्त को जैसे ही जारी हुई यूपी के मेरठ में सरगर्मियां बढ़ गई। 'पश्चिम उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट बेंच केंद्रीय संघर्ष समिति' ने तुरंत वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पश्चिमी यूपी के 22 जिलों के बार अध्यक्षों और महामंत्री के साथ बैठक की. समिति के पदाधिकारियों ने सरकार से सवाल किया कि जब कोल्हापुर में बॉम्बे हाईकोर्ट की चौथी बेंच खुल सकती है तो यूपी के मेरठ में हाईकोर्ट की तीसरी बेंच क्यों नहीं स्थापित हो सकती? मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर पश्चिमी यूपी के वकीलों ने चार अगस्त को हड़ताल कर प्रदर्शन किया। मुरादाबाद की सांसद कुंवरानी रूचिवीरा ने भी संसद में हाल ही में पचिम उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बैंच बनाने की मांग कर चुकी हैं। चांदपुर क्षेत्र के विधायक स्वामी ओमवेश ने भी विधान सभा में ये ही मांग की है। कमोबेश पश्चिम उत्तर प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधि ये मांग कर चुके हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बैंच की स्थापना का आंदोलन पिछले लगभग 70 साल से जारी है। कब तक जारी रहेगा, यह भी नही कहा जा सकता। इतना जरूर कहा जा सकता है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आंदोलनकारी वकील अब जनता को पश्चिम में हाईकोर्ट की बैंच बनने के फायदे बताकर जनता और जनप्रतिनिधियों को आंदोलन से जोड़ने में लगे हैं। उनका समर्थन ले रहे हैं। आंदोलन को नया रूप दे रहे हैं। आंदोलन को नया तेवर देने में लगें हैं।

अशोक मधुप

साइबर धोखाधड़ी से लोगों का सम्पत्ति सुख चैन बर्बाद

भारत में साइबर धोखाधड़ी का जाल तेजी से फैल रहा है, जिसमें 2022 के 10.29 लाख मामलों से बढ़कर 2024 में 22.68 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं। डिजिटल इंडिया के दौर में डिजिटल अरेस्ट, PI फ्रॉड, और फिशिंग के माध्यम से करोड़ों की अवैध वसूली हो रही है, जिसमें 28 फरवरी 2025 तक 36.45 लाख से अधिक शिकायतों के साथ ही ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स से 400 करोड़ से अधिक के अपराधी लेनदेन का पता चला है।

देश में नये-नये और नायाब तरीकों से साईबर धोखाधड़ी के ज़रिये बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने समाज, राजनीति और प्रशासनिक धरातल पर गम्भीर चिन्ताजनक स्थिति पैदा कर दी है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि देश में पिछले पांच वर्ष में डिजिटल अपराधों के ज़रिये देश के जन-साधारण के 52,976 करोड़ रुपये साईबर अपराधियों ने लूट लिये हैं। लगभग एक दशक पहले तक देश में साइबर अपराध जैसी कोई इक्का-दुक्का घटना ही घटित होती थी, किन्तु विगत पांच-सात वर्षों में देश में उपजी कथित डिजीटल क्रांति के बाद से ऐसी घटनाएं जैसे पंछी-पंख लगा कर फैलती गई हैं। वर्ष 2023 से लेकर अब तक के तीन वर्षों में 86 हज़ार से अधिक मामले दर्ज किये गये जिनमें अरबों रुपये की जन-धन राशि साईबर जालसाज़ी के माध्यम से लूट ली गई है।अपराधी खुद को सीबीआई पुलिस अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर डिजिटल अरेस्ट कर डराते हैं। यूपीआई फ्रॉड फिशिंग ईमेल निजी जानकारी चुराना।ऑनलाइन सट्टेबाजी और ऐप्स निवेश का लालच देकर।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से डीपफेक। साईबर अपराधी इतने शातिर होते हैं कि एक विफलता के बाद दूसरा विकल्प ढूंढ लेते हैं। साईबर अपराध जैसी एक घटना से एक बार रू-ब-रू हुई एक महिला उच्चाधिकारी के अनुसार विदेशों में भी ऐसे आपराधिक तत्व मौजूद हैं। उन्होंने एक घटना का हवाला देते हुए बताया कि कैसे टैक्सी चालक कृत्रिम मेधा यानि ए.आई. के ज़रिये शक्ल-ओ-सूरत बदल कर सवारी को अपना शिकार बनाते हैं। उन्होंने अपनी आंखों के समक्ष घटित हुई ऐसी एक घटना का हवाला भी दिया। ऐसे अपराधों से लुटे-पिटे लोगों में से कई अपनी जीवन भर की अर्जित पूंजी तो गंवाते ही हैं, कई बार वे आत्महत्या कर लेने को भी विवश हो जाते हैं। डिजीटली अरेस्ट के ज़रिये लूटने की घटनाएं बेशक अब आम हो चुकी हैं। इनको लेकर समाचार पत्रों के माध्यम से बार-बार लोगों को जागरूक भी किया जाता है किन्तु इसके बावजूद लोग इनका शिकार बन जाते हैं। अचानक धन हासिल होने अथवा अवैध कृत्यों से फोन सम्पर्क होने के आरोप लगा कर साईबर धोखाधड़ी करने के मामले भी आम हो चुके हैं। देश की राजधानी दिल्ली के बाद हरियाणा ऐसी घटनाओं के लिए जैसे बड़ी ज़रखेज़ भूमि बन कर उभरा है। हरियाणा में विगत छह वर्षों से साईबर ठगी के मामले निरन्तर बढ़ते चले गये हैं। पंजाब में भी एक समय ऐसे मामलों की बाढ़ सी आ गई प्रतीत हुई थी, किन्तु विगत दो-तीन वर्षों से प्रदेश में ऐसे मामलों की वृद्धि पर अंकुश लगा है। हाल ही में दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय निवेश धोखाधड़ी सिंडिकेट के सदस्य रौनक ठक्कर को गोवा से गिरफ्तार किया है। वह दुबई से संचालित गिरोह के लिए भारत में म्यूल बैंक खाते उपलब्ध कराता था। राजस्थान के एक निवासी से 61.72 लाख रुपये की ठगी के बाद यह मामला सामने आया। ठग फर्जी ट्रेडिंग ऐप्स और शेल कंपनियों का उपयोग कर पैसे विदेश भेजते थे। इस मामले में अब तक 17 गिरफ्तारियां हुई हैं। देश भर में ऐसे अपराधों की निरन्तर बढ़ती संख्या को देखते हुए केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार और उनके प्रशासन तंत्रों की ओर से चलाये गये सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के दृष्टिगत आज ऐसे मामलों में अपेक्षाकृत कमी आते महसूस की गई है। पंजाब में भी प्रदेश सरकार, बैंकों, पुलिस तंत्र और प्रशासनिक इकाई की ओर से चलाये गये ज़बरदस्त सतर्कता अभियान एवं इससे उपजी जागरूकता के दृष्टिगत लोगों में समझदारी का दायरा बढ़ा है। इस कारण जन-साधारण अब ऐसे मामलों से कन्नी कतराने लगे हैं। तथापि साईबर अपराधी 'तू डाल-डाल, मैं पात-पात' की तर्ज पर नये-नये तरीके ईजाद कर नई घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं। इस हेतु उन्होंने बाकायदा नये-नये जाल बिछा रखे हैं। अपने तंत्र को बनाये रखने के लिए वे मोबाइल और सोशल मीडिया के ज़रिये बेरोज़गार और नव-शिक्षित हुए युवकों को लालच देकर अपने नेटवर्क में भर्ती करते हैं। गृह मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि 2021 से 2025 के बीच साइबर ठगी के मामलों में लगातार तेज बढ़ोतरी हुई है. इस दौरान साइबर अपराधियों ने लोगों के खातों से ?55,000 करोड़ से ज्यादा की रकम निकाल ली. अकेले 2025 में ?22,495 करोड़ की ठगी हुई और 24 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गई.रिपोर्ट में बताया गया कि अकेले 2025 में ही साइबर ठगों ने ?22,495 करोड़ की ठगी की. इसी साल 24 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गई, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है. शिकायतों में हर साल बड़ा उछाल देखने को मिला.साल 2021 में 2,62,846 शिकायतें दर्ज हुई, जो 2022 में बढ़कर 6,94,446 हो गई. 2023 में यह संख्या 13,10,357 तक पहुंची. 2024 में 19,18,835 शिकायतें दर्ज हुई और 2025 में यह आंकड़ा 24,02,579 हो गया. रिपोर्ट के अनुसार ठगी की रकम भी लगातार बढ़ी. 2021 में 551 करोड़, 2022 में 2,290 करोड़, 2023 में 7,465 करोड़, 2024 में 22,848 करोड़ और 2025 में 22,495 करोड़ की ठगी रिपोर्ट हुई. हालांकि मंत्रालय ने बताया कि I4C सिस्टम की मदद से 2025 में 8,189 करोड़ की रकम को साइबर फ्रॉड होने से बचाया भी गया।

हालांकि सरकारी गुप्तचर एजेंसियों के तंत्र भी सक्रिय हुए हैं, और लाखों शिकायतों की त्वरित जांच के बाद 7130 करोड़ रुपये की राशि पीड़ित लोगों को लौटाई भी गई है। ज़रा-सा संदेह होने पर बैंकों एवं प्रशासनिक तंत्र के अधिकारी स्वयं भी लोगों को सतर्क करने लगे हैं। साईबर अपराधों का तंत्र इतना व्यापक है कि गुप्तचर एजेंसियां भी कई बार आश्चर्यचकित रह जाती हैं। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार स्वतः संज्ञान लेते हुए केन्द्र सरकार को एन.आई.ए., सी.बी.आई. और साईबर क्राइम तालमेल कमेटियों के सदस्यों पर आधारित समन्वय समितियां बनाने को भी प्रेरित किया है।

आपको बता दें कि ऐसे अपराधों से बचने हेतु सर्वाधिक ज़िम्मेदारी स्वयं जन-साधारण पर भी आयद होती है। लोगों को ऐसे मामलों से बचने के लिए लालच में नहीं आना चाहिए, न ही भयभीत होकर आत्म-समर्पण करना चाहिए। ज़रा-सा संदेह होने पर अपने पारिवारिक सदस्यों, परिचितों, बैंक अथवा पुलिस अधिकारियों से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। हम समझते हैं कि थोड़े से अतिरिक्त साहस, चौकसी, सतर्कता और सूझ-बूझ के साथ ऐसे अपराधों से बचा जा सकता है, अथवा इनकी तादाद को कम किया जा सकता है। मोबाइल कम्पनियों का अपना गुप्तचर सेवा तंत्र भी ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु कारगर तरीका बन सकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

महराजगंज क्षेत्र के पांच बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी के बीच पहले दिन की बोर्ड परीक्षा सम्पन्न

महराजगंज/रायबरेली। क्षेत्र के पांच बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी के बीच पहले दिन की बोर्ड परीक्षा सम्पन्न हुई। परीक्षा केंद्रों में राजकीय इंटर कॉलेज हलोर, स्वदेश सरस्वती विद्या मंदिर, राजा चंद्रचूड़ सिंह इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज व न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सलेथू समेत पांच केंद्रो पर पहले दिन सुबह की पाली में हाईस्कूल व दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों की बोर्ड परीक्षा की निगरानी के लिए सचल दस्ते केन्द्रवार भागदौड़ करते देखे गए। सुबह की पाली में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने हलोर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज पहुंच कर परीक्षा का जायजा लिया। वहां की चाक-चौबंद इंतजाम देख उन्होंने सराहना भी की। इसके साथ ही उन्होंने परीक्षा प्रभारी बृजेश तिवारी को नकलविहीन व शांतिपूर्ण परीक्षा सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

घुमंतु समुदाय के लोगों को प्रशासन ने रहने के लिए आवंटित की जमीन

लहरपुर सीतापुर – बंजारा समाज एवं घुमंतु समुदाय के लोगों को प्रशासन ने ग्राम सभा रायपुर गंज में गाटा संख्या 282 की 11 बीघा जमीन आवंटित की है यहां पर लगभग 128 संभावित आवासों वाली बंजारा कॉलोनी का निर्माण कराया जा रहा है। योजना का लाभ केवल वास्तविक हकदारों को मिले इसके लिए मौके पर ही परिवारों की विधवत काउंटिंग भी की जा रही है नई कॉलोनी में पक्की छत के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल बिजली सड़क और बंजारा समाज के लोगों को अपनी नई पहचान मिल सके और समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सके। इसके लिए प्रशासन पूरी तरीके से कार्य कर रहा है समाज के जागरूक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद से वहां पर लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके इस पर भी कार्य कर रहा है इसी श्रृंखला में सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी के द्वारा 114 लोगों को कंबल वितरित किए गए उन्होंने बताया श्री पीतांबरा शिक्षा समिति के द्वारा शीघ्र ही पात्र लोगों को होढने के लिए चादर व दैनिक जीवन में काम आने वाली सामग्री वितरित की जाएगी वितरण करने में लेखपाल राहुल यादव व प्रशासन के लोगों पूर्ण रूप से सहयोग रहा।

सेंट मैरी स्कूल, दुद्धी में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, क्षेत्राधिकारी ने किया छात्र छात्राओं को जागरुक

दुद्धी/ सोनभद्र- बुधवार को क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय द्वारा दुद्धी क्षेत्रान्तर्गत सेंट मैरी स्कूल, दुद्धी में छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया दुरुपयोग, फर्जी लिंक/ओटीपी साझा करने के खतरे, साइबर बुलिंग, बैंकिंग धोखाधड़ी, फिशिंग कॉल, डिजिटल अरेस्ट जैसे प्रचलित साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, मजबूत पासवर्ड बनाने, दो-स्तरीय सुरक्षा (2FA) का प्रयोग करने तथा अनजान लिंक पर क्लिक न करने के संबंध में आवश्यक सावधानियां बताई गईं। क्षेत्राधिकारी दुद्धी द्वारा विद्यार्थियों को बताया गया कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें तथा www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें, जिससे समय रहते धनराशि को होल्ड कराया जा सके। विद्यालय प्रशासन एवं छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई तथा विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया गया।

सूचना

'सर्व साधारण को सूचित हो कि मै श्रीमती मधु कोरी आयु लगभग 63 वर्ष पत्नी स0 बाबू लाल कोरी निवासी-459/158 मोहिनी पुरवा, ठाकुरगंज लखनऊ अपने पुत्र ऋषि से सारे सम्बन्ध तोड़कर उसको अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं उसके द्वारा किये गये कृत्यो व किसी भी कार्य से मेरा कोई मतलब व सरोकार न होगा वह अपने कृत्यो का एक मात्र जिम्मेदार होगा।

27 फरवरी तक चलेगा एमआर टीकाकरण अभियान

●सीतापुर में 3.81 लाख से अधिक बच्चों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य, कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर(ब्यूरो)। जनपद में मिज़ल्स-रूबेला (एमआर) जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एमआर टीकाकरण अभियान 16 फरवरी से संचालित हो चुका है, जो 27 फरवरी तक चलेगा। इस विशेष अभियान के अंतर्गत 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के कक्षा 1 से 5 तक पढ़ने वाले 3,81,282 बच्चों को एमआर वैक्सीन लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। जिन विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र संचालित है, वहां संबंधित विद्यालय के अध्यापक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी नोडल अध्यापकों को आवश्यक प्रशिक्षण पहले ही दिया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी बच्चे के पास आधार कार्ड उपलब्ध नहीं है, तो नोडल अध्यापक अपनी पहचान के माध्यम से बच्चे का टीकाकरण सुनिश्चित कराएंगे। टीकाकरण से संबंधित समस्त जानकारी यू-विन पोर्टल पर अपलोड की जा रही है। विद्यालयों में यदि बच्चे अनुपस्थित पाए जाते हैं, तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा गांव-गांव जाकर बच्चों को चिन्हित कर अभियान स्थल तक लाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा छूटने न पाए। इस व्यापक अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद स्तर पर 710 एएनएम, 4160 आशा कार्यकर्ता, और 142 संगिनी को तैनात किया गया है। प्रशासन ने सभी फील्ड कर्मियों को समयबद्ध और समन्वित ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को नजदीकी विद्यालय या कैंप स्थल पर ले जाकर टीकाकरण अवश्य कराएं और जनपद को मिज़ल्स-रूबेला मुक्त बनाने में सहयोग करें।

रूबेला-एमआर टीका क्यों ज़रूरी: डॉ0 इमरान

रूबेला एक संक्रामक वायरल बीमारी है, जो खांसने-छींकने और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क से तेजी से फैलती है। यह बीमारी बच्चों में सामान्य प्रतीत हो सकती है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक होती है, क्योंकि इससे अजन्मे शिशु में गंभीर जन्मजात विकृतियाँ हो सकती हैं। मीज़ल्स-रूबेला (एमआर) टीका बच्चों को दोनों बीमारियों से सुरक्षित करता है, संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ता है और समाज को भविष्य की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह टीका सुरक्षित, प्रभावी और सरकारी कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क उपलब्ध है। डॉ0 इमरान, डिप्टी सीएमओ (नोडल अधिकारी) सीतापुर।

लखनऊ में चीफ इंजीनियर का किसानों ने किया घेराव, आखिर क्यों लगाए मुर्दाबाद के नारे?

लखनऊ। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारतीय किसान यूनियन (हिन्दुस्तान) ने मुख्य अभियंता (अमौसी) कार्यालय का घेराव बुधवार को किया। आरोप लगाया कि बिजली विभाग के अभियंता शिकायतों के बाद भी समस्या का निवारण महीनों तक नहीं करते। यही नहीं सरकारी सीयूजी नंबर पर फोन करने पर कोई जवाब नहीं देते। ऐसी कई समस्याओं को लेकर किसानों ने बिजली विभाग के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए और बंगला बाजार स्थित मुख्य अभियंता को ज्ञापन भी सौंपा। मौके पर पहुंचे अधिशासी अभियंता नीरज कुमार पर भी किसानों ने नाराजगी जताई। वहीं मुख्य अभियंता ने ज्ञापन लेते हुए कुछ समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण करवाया और बची हुई समस्याओं का निस्तारण करवाने का आश्वासन दिया। भारतीय किसान यूनियन (हिन्दुस्तान) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो. सलमान व महासचिव अजय यादव ने आरोप लगाया कि मलिहाबाद के मनौदा ग्राम में नौ माह पहले दो सौ मीटर केबल चोरी हुआ था।

पंच कैलाशी शिव साधिका साधना दीदी ने भंडारे में शिवभक्तों को आशीर्वाद प्रदान कर मंगलमय जीवन की कामना

●भंडारे में शिवभक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवा (सीतापुर)- हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंच कैलाशी शिव साधिका साधना बाजपेई दीदी द्वारा नगर के वार्ड मोहल्ला कैथी टोला बिसवा में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पंच कैलाशी शिव साधिका साधना बाजपेई दीदी ने भोलेनाथ शिव जी का जल, दूध, दही,शहद, शकर, फल, फूल, मेवा, मिष्ठान से रुद्राभिषेक किया।उसके उपरांत भोलेनाथ शिव जी को वस्त्र पहनाकर विधिवत आरती एवं पूजा अर्चना की। भंडारे का शुभारंभ पंच कैलाशी शिव साधिका साधना बाजपेई दीदी ने ब्राह्मणों एवं कन्याओं को भोजन कराकर दान दक्षिणा देकर किया। भंडारे में बिसवा, सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई सहित विभिन्न जनपदों सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिव भक्तों ने सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण किया। पंच कैलाशी शिव साधिका साधना बाजपेई दीदी ने सभी को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए सभी के सुखमय एवं मंगलमय जीवन की कामना की। भंडारे के सफ़ल आयोजन में अजय बाजपेई, कौशल अक्षय बाजपेई,अश्वनी छोटू बाजपेई, अभय बाजपेई, सूरज बाजपेई, ऊषा किरन, शशि गुड़िया मिश्रा, बेबी शुक्ला, शैली बबली शर्मा, गीता बाजपेई, संध्या बाजपेई, वंश बाजपेई, शिवांश बाजपेई, रुद्रिका नव्या बाजपेई आदि का विशेष योगदान रहा।

सड़क हादसे में नाना-नवासे की मौत

● प्रयागराज-अयोध्या हाइवे पर रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर- बुधवार दोपहर प्रयागराज-अयोध्या हाइवे पर हुए एक सड़क हादसे में नाना और उनके नवासे की मौत हो गई। एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही जान चली गई। स्थानीय लोग उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह घटना कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अहिमाने बाजार के पास हुई। तिवारीपुर निवासी अरविंद श्रीवास्तव अपने नवासे श्रेयांस श्रीवास्तव उर्फ चाहत के साथ अहिमाने बाजार जा रहे थे। श्रेयांस अमेठी जिले के पूरे लाला राम प्रसाद के रहने वाले थे।

जानकारी के अनुसार, जब वे दोनों हाइवे पर प्राइमरी स्कूल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें एक निजी वाहन से राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, लेकिन इमरजेंसी में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में शोक छा गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली देहात के एसओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला

घर में घुसकर की मारपीट, दो नामजद आरोपियों पर गंभीर धाराओं में एफआईआर

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में नाबालिग बालक के साथ घर में घुसकर की गई बेरहमी से मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।शिकायती पत्र में पीड़ित ने बताया कि बीती 17 फरवरी को उसका 14 वर्षीय पुत्र घर पर पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही परमाल और सचेंद्र पुत्रगण हरिकिशन घर में जबरन घुस आए और बिना किसी कारण गाली-गलौज करते हुए बालक के साथ मारपीट शुरू कर दी।पीड़ित के अनुसार आरोपी बालक को मारते-पीटते हुए घर से बाहर दरवाजे तक ले आए। यहां परमाल ने बच्चे को पकड़ लिया, जबकि सचेंद्र ने लाठी-डंडों से उस पर ताबड़तोड़ प्रहार किए। मारपीट में बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े।

तहसील सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। तहसील सभागार में 'किसान दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक खेती, सरकारी योजनाओं और पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप कृषि निदेशक विनोद शर्मा ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि करें। जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पांडेय ने रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल पर चिंता जताई। उन्होंने किसानों को मिट्टी की सेहत बनाए रखने के लिए उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने की सलाह दी। इसके अलावा इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक डॉ. विनोद कुमार ने कृषि क्षेत्र की नई क्रांति 'नैनो यूरिया' और 'नैनो डीएपी' के उपयोग और फायदों के बारे में किसानों को विस्तार से समझाया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ विश्व विजय रघुवंशी ने फसलों में लगने वाले रोगों और उनके प्रबंधन की जानकारी दी। डॉ. नीलेश शर्मा ने औद्यानिक फसलों के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि कैसे किसान फल और सब्जियों की खेती से कम लागत में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी उमेश चंद्रा ने विभाग की योजनाओं और पशुओं के टीकाकरण व रखरखाव के बारे में जानकारी दी। जिला गन्ना अधिकारी ने गन्ना उत्पादन बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीकों और विभाग द्वारा किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी व अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी कृषि दिलीप सोनी एवं सहकारिता अरुण कुमार श्रीवास्तव अवर अभियंता लघु सिंचाई, विषय वस्तु विशेषज्ञ और राजकीय कृषि बीज भंडार प्रभारी अंकित यादव किसान शीतला प्रसाद, श्रीपाल, उमाबक्श सिंह सहित दर्जनों किसान उपस्थित रहे।

श्री बाल्हेश्वर मंदिर में भोलेनाथ का हुआ 69वां अपूर्व पुष्प श्रृंगार

● महाशिवरात्रि मेले का समापन दिव्य आरती और देवासुर संग्राम ने बांधा समां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के ऐहार गांव स्थित सुप्रसिद्ध श्री बाल्हेश्वर मंदिर में दो दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का भावपूर्ण समापन हो गया। इस अवसर पर भूत भावन भगवान बाल्हेश्वर महादेव का 69वां भव्य पुष्प श्रृंगार किया गया। रंग बिरंगे फूलों से सजे महादेव के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। श्रृंगार पट के अनावरण के बाद मंदिर परिसर हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा। प्रधान पुजारी पं. झिलमिल महाराज सह पुजारी संजीव तिवारी ने विधिवत पूजा अर्चना और आरती संपन्न कराई। श्रद्धालुओं ने भाव विभोर होकर भोलेनाथ के दर्शन किए। देर शाम को आयोजित दिव्य आरती में क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल हुए। पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह और आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने भी आरती में भाग लिया। पूर्व विधायक ने मंदिर परिसर की विद्युत समस्या के समाधान के लिए सोलर ऊर्जा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। अन्य समस्याओं के शीघ्र निराकरण की बात भी कही। मेले में देर रात तक चहल पहल बनी रही। भक्तों के चेहरे पर श्रद्धा और उत्साह साफ झलक रहा था। श्री जन कल्याण समिति के कलाकारों ने देवासुर संग्राम नाटक का मंचन किया।कलाकारों के संवाद और प्रस्तुति ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा। संचालन कीर्ति मनोहर शुक्ला ने किया। मंदिर की व्यवस्था को लेकर उपप्रबंधक कपिल देव तिवारी ने बताया कि बाल्हेश्वर सेवा समिति, श्री जन कल्याण समिति और ग्राम पंचायत के कार्यकर्ताओं ने दो दिन तक अथक परिश्रम किया। सामूहिक प्रयास से आयोजन सफल रहा। इस मौके पर सूर्य प्रसाद मिश्रा, अखिलेश पांडेय,राजन तिवारी, टेनी बाबा, मिक्कू शुक्ला, गोविंद अवस्थी, कमल शुक्ला, बबुआ अवस्थी धुनम शुक्ल, अतुल मिश्रा, शिवबरन वर्मा, चौधड़िया राय,बचोल शुक्ला, जितेंद्र यादव, राहुल निर्मल, दीपू तिवारी, विकास शुक्ला खोया-पाया केंद्र होरीलाल आदि सभी लोगों ने अहम भूमिका निभाई।

नकली डीएपी खाद बेचने का बड़ा खुलासा

●किसानों की फसल बर्बाद, महरौनी में दो व्यापारियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। किसानों को नकली डीएपी खाद बेचकर उनकी मेहनत और फसल से खिलवाड़ करने का गंभीर मामला सामने आया है। थाना महरौनी क्षेत्र में कृषि विभाग की जांच के बाद नकली उर्वरक बिक्री का खुलासा हुआ है। इस मामले में जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर दो नामजद आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। घटना से क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है और वे दोषियों पर सख्तकार्रवाईकीमांगकर रहे हैं। महरौनी के ग्राम पठा निवासी किसान रामलखन ने जनवरी माह में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने मटर की फसल के लिए डीएपी खाद खरीदी थी, लेकिन खाद डालने केकुछ ही दिनों बाद खेतों में हरियाली आने के बजाय फसल पीली पडने लगी और धीरे-धीरे सूखने लगी। फसल में अपेक्षित अंकुरण नहीं हुआ, जिससे किसान को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

जांच में खुली नकली खाद की पोल

किसान की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ललितपुर के निर्देश पर कृषि विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर खेतों का निरीक्षण किया। जांच में प्रथम दृष्टया फसल पर नकली डीएपी खाद का प्रतिकूल प्रभाव पाया गया। इसके बाद कृषि विभाग ने ग्राम पठा स्थित मे. देवता ट्रेडर्स नामक उर्वरक विक्रेता की दुकान और गोदाम का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान दुकान में उपलब्ध डीएपी खाद का स्टॉक संदिग्ध पाया गया। पोर्टल व अभिलेखों की जांच में डीएपी खाद का वैध स्टॉक शून्य दर्शाया गया। इसके बावजूद बिक्री किए जाने के साक्ष्य सामने आए। मौके से डीएपी खाद की एक बोरी जब्त कर उसका नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया।

प्रयोगशाला रिपोर्ट में नकली साबित

प्रयोगशाला से 13 फरवरी 2026 को प्राप्त रिपोर्ट में डीएपी खाद अमानक (नकली) पाई गई। रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट हो गया कि किसानों को जानबूझकर नकली डीएपी खाद बेची गई, जिससे उनकी फसल को भारी नुकसान पहुंचा।जांच में यह भी सामने आया कि किसान द्वारा 20 अक्टूबर 2025 को खाद की खरीद के एवज में 9,000 रुपये की ऑनलाइन पेमेंट की गई थी, जिससे बिक्री का तथ्य प्रमाणित होता है।

दो नामजद आरोपियों पर मुकदमा

जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार भारती की तहरीर पर थाना महरौनी में मे.देवता ट्रेडर्स के संचालक ग्राम पठा निवासी संदीप विदुआ और राहुल विदुआ के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत एफआईआर संख्या 0062/2026 दर्ज की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

किसानों में आक्रोश, सख्त कार्रवाई की मांग

इस घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में भारी नाराजगी है। किसानों का कहना है कि नकली खाद के कारण उनकी पूरी फसल चौपट हो गई, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषी उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त किए जाएं और उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यापारी किसानों की मेहनत से खिलवाड़ न कर सकें।

प्रशासन का सख्तसंदेश

कृषि विभाग और प्रशासन ने साफ किया है कि नकली खाद, बीज या कीटनाशक बेचने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिले भर में उर्वरक दुकानों की सघन जांच अभियान चलाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कंट्रोल रूम में जनपद के समस्त परीक्षा केंद्रों की हो रही लाइव मॉनिटरिंग, सभी परीक्षा केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

● सभी केंद्र व्यवस्थापकों को नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के दिए निर्देश

जनपद में स्थापित कंट्रोल रूम से की जा रही परीक्षा केंद्रों की मॉनिटरिंग

डीएम व एसपी ने परीक्षा केंद्रों निरीक्षण कर, की गई व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली: जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जनपद में यू0पी0 बोर्ड की परीक्षाओं को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पीएम श्री राजकीय इण्टर कॉलेज व पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि पूरी पारदर्शिता और सुचितापूर्ण के साथ नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के उद्देश्य से जनपद को 09 जोन व 19 सेक्टर में विभाजित किया गया है। जनपद में 107 परीक्षा केन्द्र बनाए गए है, इसके साथ ही जनपद के समस्त परीक्षा केंद्रों पर 1-1 स्टैटिक मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गयी है, साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरों के द्वारा मॉनिटरिंग भी की जा रही है। समस्त जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए गए है कि अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज में स्थापित जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। कंट्रोल रूम में सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही थी, जिसका अवलोकन किया गया। निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों में पर्याप्त साफ सफाई व पीने के पानी की उचित व्यवस्था पाई गई। समस्त कैमरे क्रियाशील अवस्था मे पाए गए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जीआईसी प्रधानाचार्य रत्नेश कुमार मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप पर ऑनलाइन भुगतान के नाम पर ठगी

● सेल्समैन से 8,500 रुपये हड़पने का आरोप, नामजद आरोपी पर केस दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र में पेट्रोल पंप पर ऑनलाइन भुगतान का झांसा देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के विरुद्ध बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से पेट्रोल पंप कर्मियों में रोष व्याप्त है और उन्होंने सतर्कता बढ़ाने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला महरौनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत माता भवानी फिलिंग स्टेशन, नाराहट रोड से जुड़ा है। यहां कार्यरत सेल्समैन म.प्र. के जिला टीकमगढ़ निवासी अजय राय पुत्र बिहारी रायने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि वह उक्त पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के पद पर कार्य करता है।पीड़ित के अनुसार17 फरवरी 2026 की शाम लगभग 4 बजे थाना सौजना के ग्राम पथराई निवासी देवेन्द्र पुत्र काशीराममोटरसाइकिल से पेट्रोल पंप पर आया। आरोपी ने पहले 1500 रुपये का पेट्रोल डलवाया और इसके बाद अजय राय से कहा कि वह उसे 8500 रुपये नकद दे दे, जिसके बदले वह अपने मोबाइल फोन से कुल 10 हजार रुपये फोन-पे के माध्यम से ट्रांसफर कर देगा।पीड़ित ने बताया कि आरोपी की बातों पर भरोसा कर उसने मोटरसाइकिल में 1500 रुपये का पेट्रोल डाल दिया, लेकिन जब 8500 रुपये नकद देने से उसने मना किया तो आरोपी ने कहा कि वह मोबाइल से भुगतान कर चुका है और मौके से वहां से चला गया। कुछ देर बाद जब पीड़ित ने अपने मोबाइल फोन कीजांच की तो खाते में कोई राशि जमा नहीं हुई।इसके बाद पीड़ित ने आरोपी की तलाश शुरू की और उसे बाजार क्षेत्र में तालाब के पास पकड़ लिया। तत्पश्चात आरोपी को थाना महरौनी लाकर पुलिस के सुपुर्द किया गया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र के विरुद्ध बीएनएस की धारा 318(4) के तहत एफआईआर संख्या0061/2026 पंजीकृतकीहै।इस घटना के बाद पेट्रोल पंप संचालकों और कर्मचारियों में चिंता का माहौल है। उनका कहना है कि डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बीच इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही हैं, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की ठगी पर अंकुश लगाया जा सकें।

श्री चौड़ा माता की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए हजारों लोग

● शांति यज्ञ के साथ विशाल भण्डारा सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बार। ग्राम चुनगी स्थित ऊंची पहाड़ियों पर बने श्री चौड़ामाता धाम में बुधवार को प्राण प्रतिष्ठा, शांति यज्ञ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन समिति के अनुसार, माता की दिव्य प्रतिमा विशेष रूप से जयपुर (राजस्थान) से मंगाई गई थी। प्रातःकाल मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के साथ माता की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से संपन्न हुई। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने 'जय माता दी' के जयघोष से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना के लिए शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुति देकर मां का आशीर्वाद लिया। दिन भर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, धार्मिक गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होती रहीं, जिससे माहौल आध्यात्मिक बना रहा। चुनगी, धनगौल, मावलैन समेत आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा श्रद्धालु धाम पहुंचे। पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया। माता के दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ी, और श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर दर्शन किए। पूर्णाहुति के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। देर शाम तक भंडारे में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। आयोजन समिति ने सभी ग्रामवासियों, दानदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। समिति ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। इस कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

संक्षिप्त खबरें

सेंट्रल पब्लिक एकेडमी शहीदवारा आजमगढ़ में गणित एवं विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

आजमगढ़ सेंट्रल पब्लिक अकैडमी की शहीदवारा स्थित शाखा, आज़मगढ़ में आयोजित 'MathSci Marvel 2026' विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं गणित के अभिनव मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अभिभावकों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी प्रेरणादायक बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौस्तुभ प्रकर्ष (Group Head of CPA) ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. काज़ी सिद्दीकी हसीब ने अपने संबोधन में सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि MathSci Marvel 2026 का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। सेंट्रल पब्लिक अकैडमी के निदेशक डॉ. अभिमन्यु कुमार दुबे एवं डॉ. गीता दुबे ने आज़मगढ़ शाखा के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह शाखा शैक्षणिक गुणवत्ता और रचनात्मक गतिविधियों के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रही है। शैक्षणिक प्रमुख निमिषा शाश्वत ने कहा कि आज़मगढ़ शाखा के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नवाचारी सोच से इस प्रदर्शनी को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का समापन उत्साह, प्रेरणा और नई ऊर्जा के साथ हुआ।

अधिवक्ता सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार से आर पार संघर्ष का एलान

प्रतापगढ़। आल इण्डिया रुरल बार एसोसिएशन द्वारा बुधवार को अधिवक्ता सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को लेकर संघर्ष की मुहिम पर रणनीतक चर्चा भी हुई। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने कहा कि सरकार ने यदि विधानसभा के मौजूदा सत्र में सुरक्षा कानून पारित नहीं हुआ तो सरकार के खिलाफ वकील आर पार का संघर्ष शुरु करेगें।राष्ट्रीय महासचिव अनिल तिवारी ने कहा कि वकीलों के लिए केन्द्र व राज्य के बजट में सुरक्षा व कल्याणकारी योजनाओं पर कोई पैकेज न देना दुर्भाग्यपूर्ण है। संचालन मीडिया सचिव हरिश्यंद्र पांण्डेय ने किया। सेंट्रल बार एसोसिएशन कार्यालय लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश शुक्ल व महासचिव अनिल तिवारी ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार पाल,उपाध्यक्ष मध्य सौरभ कुमार श्रीवास्तव,रानी कुमारी रावत,नरेन्द्र सिंह यादव,जीवन लाल यादव,करन गुप्ता,दिब्यांस अवस्थी को संघर्ष सम्मान सौंपा। कार्यक्रम का संयोजन अधिवक्ता आनंद शुक्ल व सूर्य प्रताप सिंह ने किया। इस मौके पर अमित मिश्रा, प्रभात रंजन, रजनीश तिवारी, अनिल रस्तोगी, डीपी सिंह, अशोक दीक्षित आदि अधिवक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त मंत्री वृजेन्द्र तिवारी ने किया। वरिष्ठ अधिवक्ता मधुकर मिश्र ने आभार प्रदर्शन किया।

नोएडा में अतिक्रमण पर बड़ा प्रहार: सेक्टर-10 से एक्सप्रेस-वे तक चला डंडा, अवैध वेंडरों पर सख्ती से कार्रवाई

नोएडा। नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने शहर को जाममुक्त और सुव्यवस्थित बनाने के लिए बुधवार, 18 फरवरी 2026 को व्यापक अतिक्रमण-उन्मूलन अभियान चलाकर साफ संदेश दे दिया कि अब सड़कें कब्जे में नहीं रहने दी जाएंगी। मुख्य प्रशासनिक भवन, सेक्टर-6 से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्क सर्किल-1 से 10 तक गठित टीमों ने सेक्टर-10, 44, 69, 72, 57, 80, 81, 82 के साथ ग्राम भूड़ा, नयागांव मंडी, फेस-2 मंडी, कैंट रोड, हौजरी कॉम्प्लेक्स और एक्सप्रेस-वे के चेनज 2.00 किमी क्षेत्र में कार्रवाई की। सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा जमाए अवैध वेंडर्स, ठेली-पटरी और अन्य अनधिकृत ढांचों को मौके पर ही हटाया गया। कई स्थानों पर जेसीबी की मदद से अतिक्रमण ध्वस्त किया गया, जिससे लंबे समय से बाधित यातायात को राहत मिली। प्राधिकरण का कहना है कि जनमानस, आरडब्ल्यूए, फोनरवा और औद्योगिक संगठनों से लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर यह सख्त कदम उठाया गया है। अधिकारियों ने दो टूक कहा कि सड़क किनारे अवैध कब्जों के कारण रोज जाम की स्थिति बनती है और आम नागरिकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना, जब्ती और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और जाममुक्त बनाने के लिए यह अभियान अब नियमित रूप से जारी रहेगा।

लाल किला बस स्टैंड पर रेहड़ी पटरी वालों का कब्ज अतिक्रमण दे रहा बडे हादसे का न्योता

● अतिक्रमण दिल्ली के लिए चिंता जनक बात है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

नई दिल्ली, देश और दुनिया से आने वाले हजारों पर्यटकों के लिए ऐतिहासिक धरोहर लाल किला एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र है। यहां लाल किले के ठीक सामने वाली मुख्य सड़क और आसपास के इलाके अतिक्रमण के शिकार हैं। हालात ऐसे हैं कि पूरे इलाके में रेहड़ी पटरी वालों का कब्जा है। सुबह से लेकर रात 10 बजे तक इस मार्ग पर अवैध दुकानदार कब्जा जमाए बैठे रहते हैं। हैरानी की बात यह है कि कई वरिष्ठ अधिकारी भी इसी मार्ग से गुजरते हैं, फिर भी हालत जस के तस है। लोगों का कहना है कि अदि किसी को इस मार्ग से जाना हो तो घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता है और न तो कोई देखने वाला है और न ही सुनने वाला। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि लाल किला बस स्टैंड पर भी रेहड़ी पटरी वालों ने कब्जा जमा रखा है। राहगीरों के लिए बस स्टैंड पर रुकने की कोई जगह नहीं बची है। रेहड़ी पटरी वालों की वजह से बस चालक भी यहां बस नहीं रोकते।आपात स्थिति में अगर एम्बुलेंस को इस मार्ग से गुजरना पड़ता है तो मरीज की हालत एम्बुलेंस में ही बिगड़ जाती है। उल्लेखनीय ए है कि पीछले दिनों इसी जगह पर एक आतंकी हमला हुआ था जिसमें एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इसके बावजूद रेहड़ी पटरी वाले सबक नहीं ले रही है।लोगों का आरोप है कि इन रेहड़ी पटरी के कब्जे के पीछे पूरा एक तंत्र काम करता है, जिसमें माफीया व जनप्रतिनिधि से लेकर एमसीडी व दिल्ली पुलिस के लोग शामिल हैं। यह लोग रेहड़ी पटरी वालों से पैसे लेकर फूटपाथ और सड़क के कुछ हिस्सों तक को बेच रहे हैं। इस वजह से अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। यात्री का कहना है यात्री अशोक मंडल, ने बताया कि रेहड़ी की पटरी वाले इस तरह बस स्टैंड पर कब्जा जमाए हुए हैं कि आप खड़े भी नहीं हो सकतें। इससे काफी परेशानी होती है। साथ ही बस में चढ़ने में भी काफी दिक्कत होती है।बस चालक बस भी नहीं रोकते क्योंकि उन्हें बस स्टैंड पर यात्री दिखाई ही नहीं देते हैं। वहीं यात्री रवि,का कहना है कि बस स्टैंड होने के बावजूद भी धूप और बारिश में बाहर खड़ा रहना पड़ता है।आप बस स्टैंड के आस पास भी खड़े नहीं हो सकतें क्योंकि वहां दुकानों पर पहले से ही भीड़ रहती है और बस में चढ़ने वाले यात्रियों की भी भीड़ रहती है।इसी कारण बस चालक बस नहीं रोकते। उन्हें लगता है कि यहां सभी लोग दुकान से सामान खरीदने आए हैं। कोई यात्री नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार बृजेश शुक्ला एवं बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला की मां के निधन पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसिएशन ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश शुक्ला एवं बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला की पूज्य माता जी के 97 वर्ष की उम्र में निधन के बाद आवास पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने शोक संवेदना के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

इस अवसर पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन के अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह के साथ संगठन के संरक्षक शिव शंकर मिश्रा, संरक्षक विवेक विश्व पांडे, संरक्षक भगवान दास, संरक्षक अमित राज यादव, उपाध्यक्ष रवि जायसवाल, कोषाध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे, संगठन मंत्री प्रवीण सिंह, सह मीडिया प्रभारी सौरभ निगम, वरिष्ठ पत्रकार दीपक सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रणजीत सिंह, लखनऊ जिला अध्यक्ष सनी शाह पदाधिकारी एवं अन्य पत्रकार साथियों के साथ पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना प्रकट किया। तथा ईश्वर से माता जी की आत्मा की शांति की प्रार्थना किया।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई बकहो नगर परिषद सुर्खियों में रही

● संयुक्त संचालक नगरीय निकाय को जबाव देते नही बना सी.एम.ओ. पर होगी कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी

शहडोल– कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में धनपुरी निवासी श्रीमती रोशनी वारंदानी ने अवैध निर्माण कार्य रूकवाने, शहडोल निवासी बालकृष्ण वर्मा आईएफएमआईएस पोर्टल में जन्मतिथि सुधरवाने, शहडोल के वार्ड नम्बर 9 निवासी सावित्री देवी ने मकान खाली करवाने एवं बकहो नगर परिषद सी.एम.ओ. एवं मातहत की लापरवाही के कारण प्रधानमंत्री आवास योजना में खुलेआम भ्रष्टाचार कर पट्टेधारक कोई आवास योजना का लाभ कोई और ले रहा है। संभागीय कमिष्नर ने जन सुनवाई के बीच संयुक्त संचालक नगरीय निकाय को सक्ती से कार्यवाही के दिए निर्देष। संबंधित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने संबंधी आवेदन जनसुनवाई में दिए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बलिया में किन्नर रेखा रहस्यमय ढंग से लापता, खेत में मिला मोबाइल; पुलिस जांच तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। बैरिया थाना क्षेत्र में एक किन्नर के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। रानीगंज-देवकी छपरा मार्ग स्थित किराए के मकान में रह रही किन्नर रेखा मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे से अचानक गायब हो गई। काफी तलाश के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो साथियों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। रेखा के साथ रहने वाली किन्नर काजल, रीना और सोना ने बताया कि वे लोग बधाई कार्यक्रम में गए थे। सुबह करीब 11:30 बजे रेखा की अपने दादा गुरु से फोन पर बात हुई थी। इसके बाद दोपहर एक बजे के आसपास उनका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। शाम तक खोजबीन के बावजूद कोई जानकारी न मिलने पर वे बैरिया थाने पहुंचीं और शिकायत दर्ज कराई। इसी बीच रेखा का मोबाइल फोन रानीगंज बाजार के पुरा फाटक के पास एक खेत में पड़ा मिला, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है।

सूचना मिलते ही पुलिस ने मोबाइल बरामद कर जांच शुरू कर दी। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मामले को लेकर पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने उच्च अधिकारियों से बातचीत कर जल्द खुलासा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। बैरिया के प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है। घटना के बाद परिजन और साथी बेहद चिंतित हैं तथा क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

राज्य के भिन्न स्थानों के साथ सिलापथार में मिसिंग लोक उत्सव आय लृगांग का आयोजन

असम धेमाजी17 फरवरी। राज्य के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ सिलापथार के अलग-अलग हिस्सों में मिसिंग लोगों का खिंचाई के उत्सव अली आय लृगंग का आयोजन। फागुन के पहले बुधवार को राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बड़े जोश और उत्साह के साथ अली आय लरिगंग का आयोजन किया गया। धेमाजी ज़िले के चिमेन छापरी के अन्नापुर गांव में बड़ी धूम धाम के सात आयोजन किया गया , परंपरा के अनुसार मुरंग सुबह सामूहिक मुरांग के घर के पास मिट्टी जोतकर और बीज बोकर होती है। गांव के हर वर्ग के लोगों ने जनजातीय लोक नृत्य गुमरांग की धुन में नाचते हुए दिखाई दी। आयोजक समिति ने दिए जानकारी अनुसार इस साल, गांव में पांच दिन का अली आय लृगंग का त्योहार मनाया जाएगा। इस दौरान, गांव के हर घर के आंगन में हुचोरी गाया जाएगा।

जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल/महिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षणः बाहर की दवा लिखने पर डॉक्टर को नोटिस, 545 रुपये लौटाने के दिए निर्देश

● मरीजों से सीधा संवाद कर डीएम ने परखी स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत

जिला अस्पताल में अव्यवस्था पर डीएम सख्त, मेडिकल वार्ड प्रभारी से स्पष्टीकरण तलब

सीटी स्कैन कक्ष में भारी भीड़ पर नाराजगी, टोकन व्यवस्था लागू करने के दिए आदेश

गरीब मरीजों के निःशुल्क इलाज पर जोर, साफ-सफाई सुधारने के सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बुधवार को जिला अस्पताल एवं जिला महिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई वार्डों में जाकर मरीजों से सीधे संवाद किया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। जिला अस्पताल में निरीक्षण के दौरान एक महिला ने जिलाधिकारी को बताया कि वह अपने ससुर के इलाज के लिए आई थी, जहां चिकित्सक द्वारा दवा बाहर से खरीदने को कहा गया। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही महिला द्वारा दवा पर खर्च किए गए 545 रुपये वापस कराने का आदेश दिया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि अस्पताल में उपलब्ध दवाएं ही मरीजों को दी जाएं और किसी भी परिस्थिति में बाहर की दवा न लिखी जाए। यदि ऐसी शिकायत दोबारा मिली तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उन्होंने ट्रीटमेंट रूम और इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया। मरीजों से उनका हाल-चाल पूछते हुए उन्होंने यह भी जानकारी ली कि कहीं उन्हें बाहर की दवा तो नहीं लिखी जा रही है। मेडिकल वार्ड में अत्यधिक भीड़ देखकर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक मरीज के साथ केवल एक ही व्यक्ति प्रवेश दिया जाए, अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने दी जाए। इस वार्ड में कुछ मरीजों ने नली लगाने के नाम पर पैसे लिए जाने और इलाज में लापरवाही की शिकायत की। इस पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए मेडिकल वार्ड की प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती लीलावती से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश सीएमओ को दिए। दवा वितरण कक्ष में पहुंचकर जिलाधिकारी ने लाइन में लगे मरीजों से बातचीत की और दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली।

मरीजों ने बताया कि दवाएं उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी दशा में बाहर की दवा न लिखी जाए, अन्यथा जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने अस्पताल परिसर में वाहनों की पार्किंग की सुनियोजित व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि मरीजों को असुविधा न हो। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने जिला महिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने एक्स-रे कक्ष, अल्ट्रासाउंड कक्ष, पैथोलॉजी कक्ष एवं सीटी स्कैन कक्ष का निरीक्षण किया। पैथोलॉजी कक्ष में उपलब्ध जांचों की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी जांच रिपोर्ट समय से मरीजों को उपलब्ध कराई जाएं। सीटी स्कैन कक्ष में भारी भीड़ मिलने पर उन्होंने प्रभारी से जानकारी ली। बताया गया कि अब तक 50 सीटी स्कैन किए जा चुके हैं, जबकि 65 मरीजों का स्कैन शेष है। भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिया कि सीटी स्कैन कक्ष में टोकन व्यवस्था तत्काल लागू की जाए और बाहर डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाए, जिससे मरीजों को अपने नंबर की जानकारी मिलती रहे और अनावश्यक भीड़ व अव्यवस्था न हो। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप सभी अधिकारी और कर्मचारी सेवा भाव से कार्य करें। अस्पताल में आने वाले गरीब और असहाय मरीजों को निःशुल्क एवं समुचित इलाज मिलना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था करने के भी सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर विजय यादव आदि उपस्थित रहे।

अमानीगंज व मिल्कीपुर में ब्लॉक दिवस की अनदेखी, अधिकारी रहे नदारद, व्यवस्था पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर, अमानीगंज और मिल्कीपुर विकासखंडों में आयोजित होने वाला ब्लॉक दिवस लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आया। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक बुधवार सुबह 10 बजे से 12 बजे तक ब्लॉक मुख्यालय पर आम जनता की विकास संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए ब्लॉक दिवस आयोजित किया जाता है। लेकिन सुबह 11:30 बजे तक न तो खंड विकास अधिकारी पहुंचे थे और न ही एडीओ पंचायत मौजूद थे। अधिकांश कर्मचारी भी अनुपस्थित मिले, जिससे कार्यालय लगभग खाली दिखाई दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थिति नई नहीं है और अक्सर अधिकारी मुख्यालय से नदारद रहते हैं। कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत के बावजूद सुधार नहीं हुआ है। ब्लॉक दिवस में आवास, शौचालय, पेंशन, सड़क, नाली और अन्य योजनाओं से संबंधित शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया जाना होता है, लेकिन जिम्मेदारों की अनुपस्थिति से व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस संबंध में अयोध्या के मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने कहा कि सभी ब्लॉकों पर ब्लॉक दिवस अनिवार्य है। अमानीगंज में आयोजन की जानकारी ली जाएगी और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई होगी। वहीं बीडीओ ने बताया कि वे जिला मुख्यालय की बैठक में थे। इसी तरह मिल्कीपुर ब्लॉक में प्रस्तावित ब्लॉक दिवस औपचारिकता तक सीमित रहा। परिसर में कुर्सियां खाली रहीं और संबंधित विभागों के अधिकारी अनुपस्थित दिखे। एडीओ पंचायत सुरेंद्र कुमार राव ने पांच मामलों के

निस्तारण का दावा किया, जबकि बीडीओ हरिश्चंद्र सिंह ने कार्यक्रम की जिम्मेदारी एडीओ को सौंपने की बात कही। अधिकारियों और फरियादियों की अनुपस्थिति ने ब्लॉक दिवस की प्रभावशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में ए आई पर हुई कार्यशाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में कुलपति प्रो. कविता शाह के मार्गदर्शन में '(एआई) कर्मशक्ति कार्यशाला' का आयोजन विश्वविद्यालय के गौतम बुद्ध प्रेक्षागृह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए आई) के व्यावहारिक उपयोग से अवगत कराना तथा प्रशासनिक कार्यों में तकनीक के प्रभावी एवं उत्तरदायी प्रयोग हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार ने अपने विस्तृत वक्तव्य में वर्तमान समय में ए आई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव ने भी, ए आई का प्रयोग और कार्यालय कार्य संस्कृति विषय पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में कार्य संस्कृति को समयानुकूल बनाना अत्यंत आवश्यक है। ए आई आधारित तकनीकों के माध्यम से कार्यों की गति, शुद्धता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। उन्होंने कर्मचारियों को नई तकनीकों को अपनाने, सतत प्रशिक्षण प्राप्त करने और कार्य निष्पादन में नवाचार को स्थान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय प्रमुख, कार्यालय सहायक तथा कर्मचारी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय सहभागिता करते हुए ए आई के व्यावहारिक उपयोग, डेटा सुरक्षा, दस्तावेज़ प्रबंधन तथा प्रशासनिक प्रक्रिया में इसके समावेशन से संबंधित जिज्ञासाएँ व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार की उपयोगी एवं तकनीक-आधारित कार्यशालाओं के नियमित आयोजन की प्रतिबद्धता दोहराई गई। कार्यशाला ने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल के रूप में नई संभावनाओं का द्वार खोला।

डॉ. अंबेडकर फोरम ने UGC एक्ट 2026 का किया समर्थन

» सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपकर लागू करने की मांग

सुल्तानपुर - डॉ. भीमराव अंबेडकर अधिवक्ता फोरम ने आज यूजीसी एक्ट 2026 के समर्थन में प्रदर्शन किया। फोरम के सदस्यों ने सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें इस कानून को पूरी तरह से लागू करने की मांग की गई। फोरम के अध्यक्ष झींकू राम विश्वकर्मा ने बताया कि यूजीसी एक्ट 2026 उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के बीच व्याप्त भेदभाव और विषमता को दूर करने में सक्षम है। उन्होंने इसे एक प्रगतिशील और प्रभावी कानून बताया, जो समानता का अधिकार सुनिश्चित करेगा। विश्वकर्मा ने कहा, 'हमारी मांग है कि इस कानून को पूरी तरह से लागू किया जाए। यह देश के उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच भेदभाव खत्म करने और समता लाने का एक अच्छा एवं प्रभावी कानून है, जिसे राष्ट्रहित में लागू किया जाना निरंतर आवश्यक है। ' उन्होंने कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक का भी जिक्र किया और कहा कि सरकार के पास सदन बुलाकर कोर्ट के आदेशों पर पुनर्विचार करने या उन्हें पलटने की शक्ति है। विश्वकर्मा ने जोर दिया कि सरकार को राष्ट्रहित और छात्रहित में यह कदम उठाना चाहिए। उन्होंने विरोध करने वालों को 'खास मानसिकता' के लोग बताया और कहा कि फोरम समानता के पक्ष में खड़ा है।यह ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति महोदय, भारत को भेजा गया। इस अवसर पर अधिवक्ता अशोक आचार्य, शिव प्रकाश मौर्य, शोभावती, मोहित यादव एडवोकेट, राम सजीवन यादव एडवोकेट, श्वेता एडवोकेट, नमिता एडवोकेट, रमेश चंद्र गुप्ता एडवोकेट, कमेंद्र गौतम एडवोकेट, पूनम, सत्य प्रकाश एडवोकेट, चंदन भीम, सूर्य प्रकाश, सूर्य यादव और रामप्रकाश मौर्य सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने सांसद तथा विधायक के साथ महोत्सव दर्पण का किया लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। इक्तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में बुधवार को महोत्सव दर्पण समारोहपूर्वक लोकार्पण हुआ। स्मारिका में पर्यटन नगरी बाबा घुइसरनाथ धाम में विकास की श्रृंखला व बाबा की महत्वता को दर्शाया गया है। महोत्सव के तीस वर्षों की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उपलब्धियों तथा बाबा घुइसरनाथ की महिमा से जुडी स्मारिका का संपादन महोत्सव आयोजन समिति की संयोजिका एवं रामपुर खास की विधायक आराधना मिश्रा मोना द्वारा किया गया है।

डीएम शिवसहाय अवस्थी तथा एसपी दीपक भूकर ने बाबा घुइसरनाथ धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष व राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के साथ स्मारिका का विमोचन किया। अतिथियों द्वारा विधायक मोना के संपादन में बाबा धाम के पौराणिक महत्व पर स्मारिका में ज्ञानवर्धक लेख व चित्रों को देखकर स्मारिका को सराहा गया। महोत्सव दर्पण में बाबा घुश्मेश्वर के भव्य आध्यात्मिक गौरव तथा बाबा से जुड़ी जनश्रुति एवं धाम के माहात्म्य व पर्यटन विकास से जुड़ी तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव दर्पण-2026 में विधायक मोना ने संपादकीय लेख में धाम के सुयश व सुकीर्ति तथा प्रगति के संकल्प में धाम की उपलब्धियों का बेहतरीन खाका खींचा है। स्मारिका महोत्सव दर्पण के जरिये लोगों को बाबा धाम की महत्ता, पौराणिकता एवं पर्यटन नगरी के अदभुत विकास की भी वृहद जानकारियां दी गई है। महोत्सव दर्पण मे बाबा घुइसरनाथ के स्वस्फुटित लिंग के सुफल मंगलफल और सई पार स्थित करील के वृक्ष तथा उपलिंग बूढ़ेश्वरनाथ के साथ प्रथम महोत्सव की शुरूआत से लेकर विगत तीस वर्षों से हो रहे महोत्सव की सांस्कृतिक उपलब्धियो पर भी प्रकाश डाला गया है। विमोचन समारोह का संचालन महोत्सव दर्पण के कार्यकारी संपादक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया।

इस मौके पर प्रो0 डॉ0 विजयश्री सोना, अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय, एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा, सीओ आशुतोष मिश्र, ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह बबलू व इं. अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, दृगपाल यादव, रामकृपाल पासी, डॉ. अमिताभ शुक्ल, आशीष उपाध्याय, रामबोध शुक्ल, भगवताचार्य पं. विनय शुक्ल आदि रहे।